रांची, शनिवार, 23 नवंबर 2024

संवत 2081, मार्गशीर्ष कृष्ण आठ- मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 77 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▶▶ दिल्ली में लगातार गंभीर होता वायु प्रदूषण संकट

रोहित शेट्टी ने अजय देवगन को बताया बॉलीवुड का सबसे सुरक्षित अभिनेता ◀◀ 6

ADMISSION OPEN
2025-26

Offline Registration forms are available in the school office on all working days from 9:00 AM to 2:00 PM.

Near Daladili Chowk, Agru, Ratu, Ranchi - 835222 (Jharkhand)

www.jkinternationalschool.co.in

7369017904, 7369017912

AFFILIATION NO.: 3430373 SCHOOL NO.: 66578

Affiliated to CBSE, New Delhi

J.K. INERNATIONAL SCHOOL

(An English Medium Co-educational 10+2, Residential cum Day School)

We Choose Us

HOSTEL FACILITY
CRICKET ACADEMY, SWIMMING POOL, GYM ETC.
PLAY WAY METHOD OF TEACHING
QUALIFIED & CARING STAFF
COMPUTER LAB
ART & CRAFT ROOM
ENCLOSED OUTDOOR PLAY AREA
ASSESSMENT & COUNSELLING
TRANSPORT FACILITY
WORLD-CLASS INDOOR AND OUTDOOR GAME FACILITIES

फिर एक बार हेमंत सरकार

इंडिया गठबंधन 51, एनडीए 29 सीटों पर आगे

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन पुनः सत्ता में वापसी करता दिख रहा है। सभी 81 सीटों की मतगणना के रुझानों में सत्तारुढ़ झामुमो 29 सीटों पर और उसके साथ चुनाव लड़ी कांग्रेस पार्टी तथा राष्ट्रीय जनता दल (राजद) क्रमशः 13 और पांच सीटों पर आगे चल रहे हैं। भाजपा के उम्मीदवारों को 28 सीटों पर बढ़त प्राप्त है। आल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन पार्टी, लोक जनशक्ति पार्टी, झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा, कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी लेनिनवादी) और जनता दल (यू) के उम्मीदवार एक-एक सीट पर आगे हैं। एक स्थान पर निर्दलीय उम्मीदवार बढ़त बनाये हुए है।

शुरूआत में पिछड़ने के बाद जेएमएम ने की वापसी

झामुमो ने की मतगणना केंद्रों के पास इंटरनेट सेवा निलंबित करने की मांग

रांचीःझारखंड में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर मतगणना केंद्रों के दो किलोमीटर के दायरे में इंटरनेट सेवाएं निलंबित करने की मांग की। झामुमो ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर अन्य राज्यों के इलेक्ट्रॉनिक विशेषज्ञों को यहां तैनात किए जाने का आरोप लगाया है। झामुमो ने मतगणना केंद्रों के पास इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने की भी मांग की।

महाराष्ट्र चुनाव : महायुति गठबंधन बहुमत के पार 221 सीटों पर आगे, महा विकास अघाड़ी 55 पर आगे

एजेंसी

मुंबई : महाराष्ट्र के चुनावी दंगल में भाजपा नीत महायुति गठबंधन की बंपर जीत होती दिख रही है। महायुति महाराष्ट्र विधानसभा की कुल 288 सीटों में से 223 पर आगे चल रही है। वहीं, एमवीए को बड़ी हार मिलती दिख रही है।

इस बीच चुनावी नतीजों के बाद सबसे बड़ा सवाल अब ये है कि महाराष्ट्र की सत्ता कौन संभालेगा। क्या एकनाथ शिंदे ही सीएम बनेंगे या देवेंद्र फडणवीस के सिर ये ताज सजेगा।

क्या फडणवीस बनेंगे सीएम या शिंदे के सिर ही रहेगा ताज?

शिंदे को भी मिल सकता है इनाम

भाजपा ने पिछली बार फडणवीस को डिप्टी सीएम बनाकर चौंकाया था, हालांकि देवेंद्र खुद सरकार में शामिल नहीं होना चाहते थे, लेकिन आलाकमान के दबाव के बाद उन्होंने अपना फैसला पलटा था। वहीं, एकनाथ शिंदे को भी सीएम बनने की रेस में पीछे नहीं माना जा सकता है। दरअसल, शिंदे ने ऐसे समय में भाजपा का साथ दिया था, जब उन्हें सबसे ज्यादा जरूरत थी। शिंदे ने शिवसेना को तोड़कर उद्धव ठाकरे को सबसे बड़ा झटका दिया था। इसी कारण भाजपा उन्हें इनाम दे सकती है। वहीं, महायुति की एकता को बनाए रखने के लिए भी भाजपा शिंदे को ही दौबारा सीएम बना सकती है। भाजपा नहीं चाहती कि कोई बगावत करे।

फडणवीस का पलड़ा भारी : सीएम की रेस में देवेंद्र फडणवीस का पलड़ा भारी दिख रहा है। दरअसल, महाराष्ट्र में भाजपा 145 सीटों पर चुनाव लड़ी थी और वो 127 सीटों पर आगे चल रही है। भाजपा का जीत का स्ट्राइक रेट सबसे ज्यादा है। वहीं, एकनाथ शिंदे की शिवसेना 81 सीटों पर लड़कर 53 सीटों पर आगे चल रही है। जीत के अंतर को देखते हुए फडणवीस का पलड़ा भारी दिख रहा है, क्योंकि वो भाजपा के सबसे बड़े चेहरे हैं।

बिहार : विधानसभा उपचुनाव की चारों सीटों पर एनडीए को बढ़त

पटना, एजेंसी : बिहार उपचुनाव में राजद को झटका लगता दिख रहा है। यहां एडीए सभी 4 सीटों पर आगे चल रहा है। बता दें कि बिहार की जिन चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं, उनमें तरारी, रामगढ़, इमामगंज और बेलागंज की सीट शामिल हैं। खबर लिखे जाने तक तरारी से भाजपा के विशाल प्रशांत, रामगढ़ से अशोक कुमार सिंह, इमामगंज से हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) की दीपा कुमारी और बेलागंज से जनता दल (यूनाइटेड) की मनोरमा देवी आगे चल रहे थे।

वायनाड : प्रियंका गांधी 3 लाख से ज्यादा वोटों से आगे

वायनाड : वायनाड उपचुनाव(लोकसभा) के लिए सुबह साढ़े आठ बजे से वोटों की गिनती शुरू हो गयी। खबर लिखे जाने तक कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी 3 लाख से ज्यादा वोटों से आगे चल रही हैं। यहां सीपीआई कैंडिडेट सत्यन मोकेरी दूसरे तो भाजपा की नव्या हरिदास तीसरे नंबर हैं। राहुल गांधी के सीट छोड़ने के बाद प्रियंका गांधी को कांग्रेस ने यहां से उम्मीदवार बनाया है। प्रियंका गांधी का मुकाबला सीपीआई के सत्यन मोकेरी और बीजेपी की नव्या हरिदास है। वायनाड में अगर प्रियंका गांधी को जीत मिलती है तो उनका सियासी आगाज शानदार होगा।

यूपी : नौ सीटों में से सात पर भाजपा गठबंधन, सपा करहल और कुंदरकी में आगे

एजेंसी

लखनऊ : यूपी उपचुनाव को लेकर पहले राउंड में बैलेट पेपर की गिनती पूरी हो गयी। शुरूआती रुझानों में अंबेडकनगर के कटेहरी से बीजेपी प्रत्याशी धर्मराज निषाद, सीसामऊ में बीजेपी उम्मीदवार, मझवां सीट से भाजपा प्रत्याशी, फूलपुर सीट से समाजवादी पार्टी, गाजियाबाद से भाजपा उम्मीदवार संजीव शर्मा 3605 वोटों से आगे चल रहे हैं। खैर सीट से भाजपा के सुरेंद्र दिलेर 1705 वोटों से आगे हैं। करहल से समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार तेज प्रताप यादव आगे चल रहे हैं।

सपा विधायक इरफान सोलंकी अयोग्य ठहराये गये थे

जान लें कि मीरापुर (मुजफ्फरनगर), कुन्दरकी (मुरादाबाद), गाजियाबाद, खैर (अलीगढ), करहल (मैनपुरी), फूलपुर (प्रयागराज), कटेहरी (अंबेडकरनगर) एवं मझवां (मिजार्पुर) विधानसभा सीट से विधायकों के सांसद बनने के बाद खाली हुई थी। कानपुर की बात करें तो सीसामऊ विधानसभा सीट के सपा विधायक इरफान सोलंकी अयोग्य ठहराये गये थे। इस कारण यहां चुनाव हुए हैं। उपचुनाव के नौ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 90 प्रत्याशी मैदान में हैं, जिनमें 11 महिला प्रत्याशी हैं। शनिवार को मतगणना के बाद 90 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला होगा।

संविधान की प्रस्तावना से सोशलिस्ट और सेक्युलर शब्द हटाने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला सोमवार को

एजेंसी

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट संविधान की प्रस्तावना से सोशलिस्ट और सेक्युलर जैसे शब्द हटाने की मांग करने वाली याचिका पर सोमवार को फैसला सुनायेगा। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा था कि संविधान के 42वें संशोधन, जो 1976 में हुए थे, उस पर काफी ज्यूडिशियल रिव्यू हो चुके हैं। कहा कि हम यह नहीं कह सकते कि इमरजेंसी में जो भी काम संसद द्वाराकिया गया, वह अमान्य है। कोर्ट ने यह टिप्पणी करते हुए संविधान की प्रस्तावना से सोशलिस्ट और सेक्युलर जैसे शब्द हटाने की मांग करने वाली याचिका लार्जर बेंच को सौंपने से मना कर दिया।

चीफ जस्टिस खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने फैसला सुरक्षित रख लियाः सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम इस मामले में सोमवार को फैसला सुनायेंगे। जान लें कि चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने सुनवाई कर फैसला सुरक्षित रख लिया है। चीफ जस्टिस खन्ना ने भारतीय संदर्भ में कहा कि सोशलिस्ट का मतलब वेलफेयर स्टेट है। भाजपा नेता सुब्रह्मण्यम स्वामी ने अर्जी दाखिल कर प्रस्तावना में संविधान संशोधन के जरिये जोड़े गये सेक्युलर और समाजवाद शब्द को डिलीट करने की मांग कोर्ट से की है। इसके अलावा एडवोकेट विष्णुशंकर जैन और अन्य ने भी अर्जी दाखिल की है।

सेक्युलर और समाजवाद शब्द को 1976 में इंदिरा गांधी के कार्यकाल में डाला गया था

याचिकाकर्ता वकील अश्विनी उपाध्याय के अनुसार वे सोशलिस्ट, सेक्युलर और इंटिग्रिटी शब्द के खिलाफ नहीं हैं। कहा कि इसे संविधान में रखने के भी खिलाफ भी वे नहीं हैं, लेकिन इसे प्रस्तावना में 1976 में डाले जाने के खिलाफ हैं। जान लें कि सेक्युलर और समाजवाद शब्द को 1976 में इंदिरा गांधी के कार्यकाल में डाला गया था। इसे 26 नवंबर 1949 से प्रभावी कर दिया गया।ड

न्यूज ब्रीफ

चुनाव आयोग ने ऐतिहासिक मतदान के लिए झारखंड के मतदाताओं को दिया धन्यवाद

रांचीः भारत निर्वाचन आयोग ने झारखंड विधानसभा चुनाव में मतदाताओं की बढ़ी हुई भागीदारी पर अत्यधिक संतोष व्यक्त किया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में बड़ी संख्या में मतदान करने वाले मतदाताओं के साहस और दृढ़ संकल्प की प्रशंसा की, जिन्होंने धमकियों और बहिष्कार के आह्वान को दरकिनार करते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपना विश्वास दोहराया। उन्होंने कई निर्वाचन क्षेत्रों में पुरुष मतदाताओं से आगे निकलकर महिला मतदाताओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी की भी सराहना की। झारखंड के मतदाताओं ने चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करते समय मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार द्वारा की गई अपील का उत्साहपूर्वक जवाब दिया।

आयोग ने मतदान अधिकारियों के समर्पण और दृढ़ता के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया। अधिकारियों ने घने जंगलों, ऊबड़-खाबड़ इलाकों और दूरदराज के इलाकों में जाकर यह सुनिश्चित किया कि हर मतदाता, चाहे वह कितना भी दूर क्यों न हो, मतदान केंद्रों तक अपना वोट डालने के लिए पहुँच सके। मुख्य निर्वाचन आयुक्त, राजीव कुमार के नेतृत्व में सावधानीपूर्वक योजना और मार्गदर्शन के माध्यम से अर्धसैनिक बलों और सुरक्षा बलों ने सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया, जिससे बूढ़ा पहाड़ और सारंडा जैसे उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में घटना मुक्त मतदान का मार्ग प्रशस्त हुआ। राज्य में स्थापित 29563 मतदान केंद्रों में से किसी में भी पुनर्मतदान नहीं हुआ। भारतीय वायु सेना, सीमा सुरक्षा बल और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के समन्वित प्रयासों से मतदान कर्मियों और सुरक्षा बलों को राज्य के सुदूर कोनों तक ले जाने और वापस लाने में सहायता मिली। लोकसभा आम चुनाव 2024 के दौरान प्राप्त अनुभवों आधार पर क्छटर प्लेटफॉर्म आधारित गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम, जिला स्तर, विधानसभा स्तर और प्रखंड स्तर पर चुनाव के लिए तैनात सभी अधिकारियों, कर्मचारियों को प्रदान किया गया।

विशेष अभियान दिवसों के माध्यम से समाज के कमजोर वर्ग के सदस्यों के नामांकन पर विशेष ध्यान दिया गया, जिससे पात्र पीवीटीजी की पूरी आबादी का 100% नामांकन सुनिश्चित हुआ। समावेशी लोकतंत्र के लिए जामताड़ा विधानसभा क्षेत्र में 57 कुष्ठ रोग प्रभावित मतदाताओं के लिए एक सहायक मतदान केंद्र बनाया गया था और वहां 100% मतदान हुआ।

मंगसीर बदी महोत्सव पर निकली दादीजी की भव्य शोभायात्रा

रांची : राणी सती मंदिर कमेटी के तत्वाधान में चार दिवसीय मंगसीर बदी महोत्सव दूसरे दिन शुक्रवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई. सुबह दस बजे गाजे-बाजे के साथ दादीजी पालकी पर विराजमान कर नगर भ्रमण कराया गया. श्री राणी सती मंदिर विद्यालय के 125 बच्चे दादीजी की पताकाएं लेकर चल रहे थे. सैकड़ों महिलाएं माथे पर कलश लेकर, जबकि 21 युवा कांवर लिये हुए थे. कांवर में पूजन सामग्री थी. शोभायात्रा में आगे-आगे दादीजी के त्रिशूल लिए 21 भक्त चल रहे थे, पालकी के पीछे पंज प्यारे और आगे रथ पर विराजमान दादीजी थीं. दादीजी के 71 निशान को भी शामिल किया गया था. जगह-जगह भक्तों ने दादीजी को पुष्प अर्पित कर सुख-समृद्धि का आशिर्वाद मांगा. श्री राणी सती विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपर बाजार में शिव शक्ति की झांकी प्रस्तुत की.इसमें भगवान शिव व माता पार्वती को भक्तो को आशीर्वाद देते दिखाया. शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के साथ स्थानीय और बाहर से आये कलाकारों ने हिस्सा लिया. भजन गायक पवन शर्मा, मनीष सोनी और राजा ने भजनों की गंगा बहाई. प्रधान पुजारी देव कुमार जी संग मंदिर कमेटी के न्यासी रतन जालान, भानु जालान,अध्यक्ष सतीश तुलस्यान,मंत्री गजानंद अग्रवाल, चन्द्र कांत झुनझुनवाला, श्याम अग्रवाल,कमल खेतावत, प्रदीप नारसरिया, लोकेश जालान, आशुतोष खेतान,प्रकाश पोद्दार, तरुण सर्राफ, शोभित तुलस्यान, सुमित, पवन लोहिया, शोभायात्रा की अगुवाई कर रहे थे.

स्थानीय भजन मंडली से आगे सती मंदिर के विद्यार्थियो की टोली थी. अंत में भजनों पर झूमते हुए धर्म ध्वज लिए महिला श्रद्धालु चल रही थीं. शोभायात्रा जैसे-जैसे आगे बढ़ती गई, भक्तों का कारवां भी लंबा होता गया. शोधायात्रा रातु रोड, हरमू रोड, गाड़ीखाना चौक, कार्टसराय रोड, जेजे रोड, जैन मंदिर होते हुए शहीद चौक, सुभाष चौक से गांधी चौक, नॉर्थ मार्केट रोड होकर कमलाकांत रोड होते हुए वापस मंदिर पहुंचकर समाप्त हुई. विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत किया. शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के बीच पीने का पानी, टॉफी, आईसक्रीम आदि का वितरण किया गया. महोत्सव के तिसरे दिन शनिवार को मंदिर में दादी मां के दर्शन को श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ेगा. सुबह सात बजे मां की विशेष पूजा की जायेगी. इसके बाद दर्शन-पूजन शुरू होगा. रतन जालान अपनी पत्नी के साथ अखंड ज्योत प्रज्वलित करेंगे. सुशील नारसरिया व श्याम अग्रवाल की देखरेख में 501 महिलाएं मंगला पाठ करेंगी. इस विशेष मौके पर मंदिर कमेटी की और से हजारों भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया जायेगा.

झारखंड में चुनाव की घोषणा के बाद 7.5 लाख लीटर शराब जब्त

रांची : झारखंड विधानसभा चुनाव की अधिसूचना 15 अक्टूबर को हुई थी. चुनाव की अधिसूचना के साथ ही राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू हो गया. इस दौरान विभिन्न एजेंसियों ने राज्य में 7 लाख 50 हजार 717 लीटर अवैध लीकर जब्त किए. जिनकी कीमत 7 करोड़ 95 लाख 75 हजार आंकी गई. झारखंड निर्वाचन आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, बरही में सबसे अधिक एक लाख लीटर से अधिक लीकर जब्त किए गए. जिसकी कीमत 86 लाख आंकी गई. वहीं धनवार में 60 लाख, गढ़वा में 49 लाख, कोडरमा में 35 लाख और खरसांवा में 31 लाख के कीमत के लीकर की जब्ती की गई. आंकड़ों के अनुसार, कई विधानसभा क्षेत्रों में महंगे लीकर जब्त किए गए हैं. रांची में 3294 लीटर लीकर 12.93 लाख मूल्य के जब्त हुए. इसका औसत मूल्य निकला जाए तो 364 रुपए प्रति लीटर होगा. वहीं राजमहल में 1 लाख 15 हजार लीटर लीकर के मूल्य 3.70 लाख लगाया गया. राजमहल में जब्त की गई लीकर का औसतन मूल्य 2.59 प्रति लीटर रहा.

आरूप चटर्जी निरसा से चुनाव जीते

रांचीः झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 का पहला परिणाम आ गया है। निरसा विधानसभा सीट पर भाकपा (माले) (लिबरेशन) के अरूप चटर्जी ने जीत दर्ज कर ली है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अपर्णा सेनगुप्ता को पराजित कर दिया है। अरूप चटर्जी ने 1600 से अधिक मतों के अंतर से निरसा विधानसभा सीट जीत ली है। 18 राउंड की काउंटिंग के बाद अरूप चटर्जी को 96,764 वोट मिले जबकि अपर्णा सेनगुप्ता को 95,403 वोट मिले।

रेल यात्रियों की कठिनाइयों का जल्द हो समाधानः चेंबर

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः रांची रेलवे स्टेशन पर बैगेज स्कैनिंग के दौरान प्रवेश और निकास द्वार पर लगनेवाले लंबे जाम से मुक्ति दिलाने की मांग की गयी है। यात्री सुविधा से जुड़े मुद्दों पर चेंबर भवन में बैठक की गयी। इस मौके पर बताया गया कि रेलवे स्टेशन में प्रवेश के लिए एकमात्र द्वार होने से यात्रियों की लंबी कतार लग रही है। प्रवेश द्वार पर लगे एक ही बैगेज स्कैनर से स्कैनिंग हो पा रही है, जिस कारण कई बार यात्रियों के ट्रेन छूटने की संभावना रहती है। रेल यात्रियों की कठिनाइयों का जल्द समाधान किया जाये।

बंद पड़े गेट खोले जायेंः बैठक में मांग की गयी कि स्टेशन के मुख्य द्वार के पास प्रवेश के लिए अन्य बंद पड़े गेट खोले जायें, ताकि यात्री आसानीपूर्वक स्टेशन में प्रवेश कर सकें। इसे लेकर चेंबर के डीआरयूसीसी प्रतिनिधि और रेलवे उपसमिति के चेयरमैन संजय अखौरी ने डीआरएम जसमीत सिंह बिंद्रा को पत्र लिखा है।

स्टेशन से सिटी बस चलाने की मांगः चेंबर के सदस्यों ने स्वचालित सीढ़ी को दुरुस्त करने और रांची व हटिया स्टेशन से सिटी बस चलाने की मांग की। बैठक में उपाध्यक्ष राहुल साबू, महासचिव आदित्य मल्होत्रा, सह सचिव विकास विजयवर्गीय, कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल और कार्यकारिणी सदस्य संजय अखौरी, शैलेष अग्रवाल व अमित शर्मा उपस्थित थे।

शाम पांच बजे तक आ जाएंगे सभी सीटों के चुनाव परिणामः के रवि कुमार

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः रांची के निर्वाचन भवन में शुक्रवार को प्रेसवार्ता के दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा कि विधानसभा चुनाव की मतगणना के लिए सभी 24 केंद्रों पर तैयारी पूरी कर ली गयी है। मतगणना केंद्रों पर त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गयी है। मतगणना शनिवार की सुबह आठ बजे शुरू होगी। सबसे पहले पोस्टल बैलेट की गिनती शुरू होगी। सुबह आठ बजे तक आनेवाले सभी पोस्टल बैलेटों को मतगणना में शामिल किया जाएगा। 8।30 बजे सुबह से ही इवीएम के वोटों की भी गिनती शुरू कर दी जाएगी। सुबह 9।30 बजे से रुझान आने शुरू हो जाएंगे। अंतिम चुनाव परिणाम शाम पांच बजे के पहले तक आने की संभावना है। वैसे तैयारी शाम चार बजे तक मतगणना की पूरी प्रक्रिया पूरी कर लेने की है। उन्होंने कहा कि मतगणना केंद्र के भीतर डीइओ और आरओ के अलावा किसी को भी मोबाइल ले जाने की अनुमति नहीं है। मतगणना हॉल में किसी भी पुलिसकर्मी का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। पत्रकार मीडिया सेंटर तक मोबाइल ले जा सकेंगे। मतगणना हॉल के भीतर की तस्वीर सिर्फ एक बार कैमरे से अधिकारियों की देखरेख में लेने की अनुमति रहेगी। उन्होंने कहा कि जिस विधानसभा क्षेत्र की मतगणना का राउंड जितना कम होगा, उसका परिणाम उतनी ही जल्दी आएगा। उन्होंने बताया कि सबसे कम 13 राउंड की मतगणना तोरपा विधानसभा क्षेत्र की होगी। सर्वाधिक 27 राउंड की मतगणना चतरा विधानसभा क्षेत्र की होगी।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि राज्य के वोटर से लेकर प्रत्याशी और राजनीतिक दल तक कानून का सम्मान करते हैं, इसलिए विजय जुलूस आदि को लेकर झड़प की संभावना न के बराबर है। लेकिन स्थानीय प्रशासन कानून व्यवस्था को बनाये रखने की अपनी तैयारी रखता है। उन्होंने कहा कि 25 नवंबर तक चुनावी प्रक्रिया पूरी कर लेना है, लेकिन हमारा प्रयास है कि प्रक्रिया को 24 नवंबर तक ही पूरा कर लें। झारखंड में सर्वाधिक मतदान पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि विजयी प्रत्याशियों की सूची राज्यपाल को सौंपने के साथ चुनावी प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

बिरसा हरित आम बागवानी योजना में फर्जीवाड़ा

मेट्रो रेज संवाददाता

मनातूः सरकार के महत्वाकांक्षी मनरेगा योजना के तहत सत्र 2022-23 में मनातू प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत चक पंचायत के ग्राम कमार्ही निवासी कौशम यादव के नाम से बिरसा हरित आम बागवानी योजना स्वीकृति दी गई थी। जिसका वर्क कोड संख्या 2744353 है। बता दें कि लाभुक कौसम यादव के नाम से यह आम बागवानी 1 एकड़ में स्वीकृत की गई थी। यह आम बागवानी में मनरेगा मजदूर की राशि निगम शर्मा, पूजा कुमारी, श्याम मिस्त्री, राजपतिया देवी, सहेंद्र कुमार प्रजापति, सोनी देवी, सरिता देवी, पिंटू कुमार यादव, कौसम यादव और जावेद अंसारी के द्वारा 29274 रुपए की निकासी कर ली गई है।

ग्रामीणों की शिकायत पर जब पत्रकारों की टीम ने कार्यस्थल पहुंची तो आम बागवानी के जगह आलू का फसल मिला। इससे साबित हो रहा है कि मनरेगा में संलिप्त अधिकारियों के द्वारा सरकार के महत्वाकांक्षी योजना मनरेगा को सिर्फ कागज पर ही पास कर दी जाती है। इसी वजह से गांव के ग्रामीण मजदूर को मनरेगा में काम नहीं मिलने से दूसरे राज्यों में पलायन करने को विवश हैं। मनरेगा में संलिप्त अधिकारी के द्वारा मनरेगा के ठेकेदारों से साठ गांठ कर बिना काम कराए ही योजना की राशि निकल ली जाती है। इस संबंध में जब मनातू प्रखंड के बीपीओ रणधीर कुमार से संपर्क की गई। उन्होंने बताया कि यह मामला मेरा जानकारी में नहीं है फिर भी जेई से जांच करवाने के बाद निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी।

पीडीएस दुकानदार पर लगाया राशन नहीं देने का आरोप

मेट्रो रेज संवाददाता

पाटनः पीडीएस दुकानदार द्वारा दो माह से लाभुकों को राशन नहीं दिया जा रहा है। इससे लाभुकों में आक्रोश है। मामला पाटन प्रखंड के सगुना पंचायत के खरोंधा गांव का है। लाभुकों ने यह आरोप पीडीएस दुकानदार हरदेव मांझी पर लगाया है। लाभुकों की मानें तो दुकानदार हरदेव के द्वारा लगातार दो माह अक्टूबर व नवंबर का लगभग 50 लाभुकों को राशन नहीं दिया गया है। इस मामले पर पंचायत की मुखिया मंजू देवी जन वितरण के दुकानदार के घर लाभूकों के साथ पहुंची। वहां पर लगभग दो घंटे तक दुकानदार का इंतजार किया। लेकिन दुकानदार नहीं आया।

इसकी सूचना प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को दी गई। कहा कि जरूरत पड़ी तो उपायुक्त से मिलकर दुकानदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग करेंगे। हालांकि प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी संजय कुमार से इस मामले की जानकारी लेने

के लिए फोन पर बात करने की कोशिश की गई। लेकिन उनके द्वारा फोन रिसीव नहीं किया गया। बताते चलें कि बिंदा देवी, कमला देवी एवं निशक्त परदेसी भुईयां को भी पीडीएस के दुकानदार के द्वारा अंगूठे का निशान लगाकर राशन नहीं दिया गया है। गोदाम में देखा गया कि एक क्विंटल भी चावल नहीं था। जबकि 27 नवंबर को 45 क्विंटल राशन दुकानदार के द्वारा लिया गया है। वहीं लाभुकों की संख्या लगभग 230 है।

ओरमांझी में अपराधियों ने दो युवकों को मारी गोली, गंभीर

रांचीः जिले के ओरमांझी में बाइक सवार अपराधियों ने जमीन करोबार से जुड़े दो युवकों को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना शुक्रवार देर शाम को ओरमांझी के बिरसा मुंडा चिड़ियाघर के पास हुई। गोली से घायल युवकों का नाम आजाद अंसारी और जावेद अंसारी है। दोनों को स्थानीय लोगों ने नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है, वहीं घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची ओरमांझी थाना पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

जमीन कारोबार से जुड़े हैं दोनों युवकः जानकारी के मुताबिक, आजाद और जावेद रांची के एक बड़े जमीन कारोबारी के लिए काम करते हैं। ओरमांझी में जमीन कारोबारी का एक बड़ा प्रोजेक्ट चल रहा है। आजाद और जावेद उसी प्रोजेक्ट से लौट रहे थे, तभी बाइक सवार अपराधियों ने दोनों पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। आजाद के पैर में और जावेद के पेट में गोली लगी है। पुलिस को बिरसा मुंडा चिड़ियाघर के पास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से घटना में शामिल अपराधियों के सुराग हासिल हुए हैं। जिसके आधार पर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

जिला स्कूल के बच्चों ने दीवारों पर बनाया जनजातीय संस्कृति का चित्र

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : जिला स्कूल, रांची के विद्यार्थियो ने जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर स्कूल के प्रवेश द्वार के सामने की दीवारों पर पेंटिंग के जरिए जनजातीय कला-संस्कृति को उकेरा है। पेटिंग्स कार्यक्रम में क्लास छठवीं और 12वीं के विद्यार्थियो ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को चार हाउस दामोदर, स्वर्णरेखा, कोयल और शंख में विभाजित किया गया था। कोयल हाउस की शिशिका रीता कुमारी ने बताया कि बच्चों ने झारखंड के लोक नृत्य, मंडाला पेंटिंग को दीवार पर बारीकी से उकेरा है, जो लोगों को आकर्षित कर रहा है। इसके अलावा सरहुल पर्व में आदिवासी समुदाय को खोड़हा मंडली में एक-दूसरे से हाथ मिलाकर मांदर और नगाडा की थाप पर झूमते हुए चित्रित किया गया है।

स्वर्णरेखा हाउस की शिक्षिका गुलशा तिर्की व स्वाति ने बताया कि ग्रुप के बच्चों

ने झारखंड के प्रसिद्ध झुमर नत्य को चित्रित कियाहै। शंख हाउस के विद्यार्थियो ने धरती आबा बिरसा मुंडा को दीवार पर उकेरा है, जिसमें उनकी जीवन शैली को दिखाया गया है। इसके अलावा खलिहान से धान ढोते हुए, जोहार, हरियाली, पेड़-पौधों को दीवाल पर चित्रित किया है। दामोदर हाउस की शिक्षिका जया प्रभा ने बताया कि जनजातीय गौरव दिवस पर आदिवासियों की संस्कृति, जनी शिकार, वाद्ययंत्र बजाते हुए दीवार पर पेटिंग्स के माध्यम से दिखाया गया है।

पेटिंग्स में दिखी बच्चों की प्रतिभा : प्रिंसिपल

प्रिंसिपल यास्मिन गलोरिया ने बताया कि स्कूली बच्चों के लिए पेटिंग्स अपनी रचनात्मक और विश्लेषणात्मक क्षमता को विकसित करने का माध्यम है। स्कूलों में दीवारों पर पेंटिंग बनाई जा रही है। यह बच्चों के लिए सीखने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने में मदद कर सकती है। अपनी प्रतिभा को दीवार पर पेटिग्स के माध्यम से सीखने की जगह भी बना सकती है। विद्यालय के विद्यार्थियों ने हाउस वाइज दीवार पर जनजातीय चित्रकला को उकेरा है। रंग बिरंगी चित्रकला से सजी दीवरें विद्यालय की खूबसूरती में चार चांद लगा रही हैं। मौके पर शिक्षक चंद्रमनी किशोर, गोविंद बिहारी, रामकिशोर कांशी, विकास दास,हाऊस लीडर कविता महतो, जया प्रभा, रीता कुमारी, संगीता एक्का, मंजुला एक्का सहित अन्य शिक्षक मौजूद थे।

विधान सभा चुनाव परिणाम : कौन कहां से जीता

जीते

गांडेय से कल्पना सोरेन 8 हजार वोट से जीतीं।

निरसा से सीपीआई माले के प्रत्याशी अरूप चटर्जी 1620 वोट से जीते, अधिकारिक घोषणा बाकी।

सिंदरी से भी 20 में से 18 राउंड के काउंटिंग के बाद सीपीआई माले के चंद्रदेव महतो 6247 वोट से आगे, दूसरे नंबर पर बीजेपी की - तारा देवी

डुमरी से जयराम महतो 102 वोट से जीते,आधिकारिक घोषणा बाकी।

पांकी से शशि भूषण मेहता जीते

हुसैनाबाद से संजय यादव जीते

तोरपा से जेएमएम के सुदीप गुड़िया जीते

लोहरदगा से मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव जीते

लिट्टीपाड़ा से जेएमएम के हेमलाल मुरमू की हुई जीत

कहीं खुशी, कहीं गम

जीते

गोमिया से जेएमएम के योगेंद्र प्रसाद महतो जीते

चंदनकियारी से जेएमएम के उमाकांत रजक की हुई जीत

महेशपुर से जेएमएम के स्टीफन मरांडी जीते

खिजरी से जेएमएम के राजेश कच्छप जीते

बरहेट से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जीत दर्ज की

सरायकेला सीट से चंपाई सोरेन ने झामुमो को दी मात

दसवें राउंड की वोटिंग के बाद आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो 9446 वोटों से पीछे

धनवार से जीते बाबूलाल मरांडी।

सिल्ली से अमित महतो आगे।

आरकेडीएफ विश्वविद्यालय में 'जनजातीय गौरव दिवस' का आयोजन

मुख्य अतिथियों ने विवि परिसर में किया पौधरोपण

मेंट्रो रेज

रांची: आरकेडीएफ विश्वविद्यालय रांची में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में 'जनजातीय गौरव दिवस' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलित कर की गई । मुख्य अतिथियों को भेंट स्वरूप शाल एवं पौधा दिया गया। मुख्य वक्ता के रूप में सेवानिवृत सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन रांची विश्वविद्यालय इतिहास विभाग के प्रमुख डॉ दिवाकर मिंज को आमंत्रित किया गया। इन्होंने अपने वक्तव्य में झारखंड के इतिहास के विभिन्न विद्रोहों पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग बलिदान समर्पण के भाव को अपने विचारों में व्यक्त किया

डॉ अभय सागर मिंज, श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय एंथ्रोपोलॉजी विभाग के सहायक प्राध्यापक इन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि हमारी वर्तमान युवा पीढ़ी को स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में जानने की जिज्ञासा उत्पन्न करना बहुत आवश्यक है आज की पीढ़ी रियल लाइफ से हटकर रील लाइफ में ज्यादा समय व्यतीत कर रही है इन्हे पुस्तकों के अध्ययन में रुचि रखने की आवश्यकता है तभी बीते हुए अतीत की जानकारी प्राप्त हो सकती है और वर्तमान को सही दिशा मिल सकती है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ अमित कुमार पांडे ने कहा कि गौरव दिवस भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर आयोजित करना गौरव की बात है यह और भी सार्थक सिद्ध तब होगी जब वर्तमान युवा उनके त्याग समर्पण को समझें और उनके गुणों को अपने जीवन में उतारें। कुलपति डॉ एस चटर्जी ने कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा अपनी प्रकृति और संस्कृति को अक्षुण्ण रखने के लिए अपने जीवन को मातृभूमि के लिए समर्पित कर दिए इनके कार्य हम सबके लिए अनुकरणीय है। इस कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ पंकज चटर्जी द्वारा किया गया मंच संचालन का कार्य जनसंचार विभाग की छात्रा किरण कुमारी द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय परिसर में मुख्य अतिथियों द्वारा पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापक- प्राध्यापिकाएं एवं छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

सुविचार

इंसान तो घर-घर पैदा होते हैं, लेकिन इंसानियत बस कहीं-कहीं ही जन्म लेती है।

तलाक में गरिमा

तलाक से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इसकी प्रक्रिया के दौरान पत्नी को 1.75 लाख रुपये महीना गुजारा भत्ता दिया जाए। बेशक यह रकम पहली नजर में खासी बड़ी लगती है, लेकिन इससे ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि फैसला जिन आधारों पर दिया गया है, वे व्यक्ति की गरिमा को नए सिरे से रेखांकित करते हैं। मसला एक ऐसे कपल का था जिसकी 2008 में शादी हुई और 2019 में पति की ओर से तलाक की अर्जी दी गई। पति को पहली शादी से एक बेटा था, मगर इस शादी में कोई संतान नहीं हुई। दिलचस्प है कि फैमिली कोर्ट ने पति की आमदनी के तमाम स्रोतों का ब्योरा देखने के बाद अंतरिम गुजारा भत्ता 1.75 लाख रुपये मासिक ही तय किया था जिसे हाईकोर्ट ने घटाकर 80,000 रुपये मासिक कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को खारिज करते हुए फैमिली कोर्ट के फैसले को बहाल किया। मामले की सुनवाई के दौरान कई तरह के सवाल उठे, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने सबसे ज्यादा अहमियत इस बात को दी कि शादी के दौरान महिला जिस तरह की लाइफस्टाइल की आदी थी, वह बरकरार रहनी चाहिए। यह बात भी अदालत की जानकारी में आई कि शादी से पहले महिला जॉब कर रही थी जो उसे पति की जिद के कारण छोड़नी पड़ी। अपने देश में अक्सर शादी के बाद महिलाओं को नौकरी छोड़नी पड़ती है जिससे उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता समाप्त हो जाती है। ऐसे में यह महत्वपूर्ण है कि गुजारा भत्ता तय करते समय जिंदा रहने की न्यूनतम आवश्यकताओं को ही नहीं, सोशल स्टेटस को भी प्रमुख आधार बनाया जाए। वैसे, यह फैसला अपने आप में अनोखा या अपवाद नहीं है। हाल के वर्षों में आए कई अहम फैसलों की यही दिशा रही है। फिर भी इस फैसले की अहमियत इस मायने में है कि इसने न्यायपालिका के इस प्रगतिशील रुख पर इतना जोर दिया है कि यह एक झटके में समाज के संज्ञान में आता है। ध्यान रहे, भारत आज भी उन देशों में शामिल है, जहां तलाक की दर न्यूनतम स्तर पर है। ऐसा तब है जब नैशनल फैमिली हेल्थ सर्वे 2019-21 के मुताबिक देश में 18 से 49 वर्ष के उम्र की करीब 30 फीसदी शादीशुदा महिलाएं घरेलू हिंसा का शिकार होती हैं। जाहिर है, मजबूरी में चलती शादियों को तलाक से बेहतर मानने की सोच बदलने की जरूरत है और सुप्रीम कोर्ट के ऐसे फैसले इसमें मदद कर सकते हैं।

फिर घिरे अडानी

देश के जाने माने अरबपति उद्योगपति गौतम अडानी पर अमेरिकी निवेशकों के साथ धोखाधड़ी करने और भारत में अधिकारियों को रिश्वत देने के ताजा आरोपों ने एक बार फिर राजनीति से लेकर बाजार तक सबको हिला दिया है। हालांकि ये अभी आरोप ही हैं, जिनका अडाणी ग्रुप ने खंडन किया है। इस ग्रुप से जुड़ा पिछला विवाद अमेरिका के ही एक प्राइवेट एनालिस्ट फर्म हिंडेनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर था, जिसमें इस ग्रुप पर अपने शेयरों के भाव गलत ढंग से चढ़ाने का आरोप लगाया गया था। मगर इस बार मामला किसी प्राइवेट पार्टी का नहीं बल्कि अमेरिकी नियामक सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमिशन (एएउ) का है। अमेरिकी अभियोजकों के मुताबिक, अडानी ग्रुप ने भारत में अपने सोलर एनर्जी प्रॉजेक्ट्स के कॉन्ट्रैक्ट्स हासिल करने के लिए अधिकारियों को करीब 2200 करोड़ रुपये की रिश्वत दी और अमेरिकी निवेशकों को गुमराह किया। आरोपों की गंभीरता इस बात से भी साबित होती है कि उद्योगपति गौतम अडानी के खिलाफ न्यूयॉर्क में गिरफ्तारी वारंट भी जारी हो चुका है। यह बात सही है कि एएउ की जांच-पड़ताल आखिरकार कहां पहुंचेगी इस बारे में फिलहाल कोई नतीजा नहीं निकाला जा सकता और यह भी कि एएउ के साथ विवाद में पड़ने वाली कंपनियों की सूची में सीमेंस, पेट्रोब्रास, हॉलिबर्टन और गोल्डमैन सैक्स जैसे बड़े-बड़े नाम शामिल रहे हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि अडानी ग्रुप की आगे की राह आसान साबित होने वाली है। ताजा विवाद का पहला प्रत्यक्ष प्रभाव यह हो सकता है कि अमेरिका में निवेश जुटाना इस ग्रुप के लिए कम से कम आने वाले कुछ समय के लिए खासा मुश्किल हो जाए। अन्य देशों में भी इसके प्रॉजेक्ट्स के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। इसका उदाहरण केन्या से आई वह खबर है, जिसके मुताबिक वहां की सरकार ने एएउ के आरोपों के बाद अडानी ग्रुप से जुड़ी करीब 2.5 बिलियन डॉलर की डील कैंसल कर दी। जहां तक भारत के अंदर के सिस्टम और उसके निगरानी तंत्र की बात है तो इस विवाद ने उस पर वाजिब सवाल खड़े किए हैं। लेकिन यहां इस तरह की अनियमितताओं के आरोप नए नहीं हैं। सारे आरोप सही नहीं साबित होते, लेकिन ऐसे तमाम मामलों में एक बात कॉमन रहती है कि कंपनियां या ग्रुप नियम-कानूनों को अपने मुताबिक तोड़ने-मरोड़ने की कोशिश करते हैं और सरकारी अधिकारी व नेता इसमें उनकी पूरी मदद करते हैं। अफसोस की बात यह है कि इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगने की कोई उम्मीद अभी भी नजर नहीं आ रही है।

दिल्ली में लगातार गंभीर होता वायु प्रदूषण संकट

दिल्ली के वायु प्रदूषण को दूर करने के लिए निवारक उपाय स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देना है जैसे सीएनजी, इलेक्ट्रिक वाहन और हाइड्रोजन जैसे स्वच्छ ईंधन पर स्विच करना वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को काफी हद तक कम कर सकता है। दिल्ली की इलेक्ट्रिक वाहन नीति के तहत, सभी डिलीवरी सेवा प्रदाताओं को 2023 तक अपने बेड़े का 50% और 2025 तक 100% इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलना होगा।

-डॉ सत्यवान सौरभ

भारत अपने विषैले धुएँ को साफ करने में क्यों विफल रहा है? तकनीकी प्रगति और नीतिगत हस्तक्षेपों के बावजूद दिल्ली को अक्सर दुनिया भर में सबसे प्रदूषित शहरों में से एक माना जाता है, जहाँ वायु गुणवत्ता में गंभीर गिरावट का सामना करना पड़ रहा है। नवंबर 2024 में, वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर स्तर को पार कर गया, जो कुछ क्षेत्रों में 500 तक पहुँच गया, जो 400 की ₹गंभीर₹ सीमा से कहीं अधिक है। यह भयावह स्थिति शहर के बढ़ते प्रदूषण संकट से निपटने के लिए प्रभावी, दीर्घकालिक समाधानों की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करती है। सामान्य वायु प्रदूषण भारत में अपनी आधी से अधिक बिजली बनाने के लिए कोयले को जलाने से जुड़ा है। दिल्ली में, यह लाखों कारों से होने वाले उत्सर्जन और निर्माण उद्योग से निकलने वाले धुएँ के साथ मिलकर काम करता है, जहाँ कोई प्रदूषण नियंत्रण नहीं है। कुछ लोग दिवाली के दौरान पटाखों के व्यापक उपयोग को भी इसके लिए दोषी ठहराते हैं। अधिकारियों ने 2017 में पारंपरिक पटाखों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया था और लोगों को केवल पर्यावरण के अनुकूल रोशनी का उपयोग करने की अनुमति दी थी, लेकिन नियम को ठीक से लागू नहीं किया गया। पीएम2.5, प्रदूषित हवा में मौजूद सूक्ष्म कण पदार्थ, फेफड़ों में गहराई तक जाकर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनता है, खासकर बच्चों, बुजुर्गों और श्वसन या हृदय की स्थिति वाले लोगों के लिए। हर साल, भारत में श्वसन सम्बंधी बीमारियों से सैकड़ों हजार लोग मरते हैं। 2021 में विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट में पाया

गया कि भारत का कोई भी शहर प्रति घन मीटर हवा में 5 माइक्रोग्राम पीएम2.5 के अद्यतन विश्व स्वास्थ्य संगठन सुरक्षा मानकों को पूरा नहीं करता है। भारत के लगभग आधे राज्य इस सीमा को 10 गुना से भी ज्यादा पार कर गए हैं। तेजी से बढ़ते शहरीकरण और निजी वाहनों की बढ़ती संख्या कण पदार्थ उत्सर्जन में महत्त्वपूर्ण योगदान देती है। सफर इंडेक्स से पता चलता है कि वाहन प्राथमिक प्रदूषक हैं, जो पीएम2.5 उत्सर्जन में लगभग 40 प्रतिशत और नाइट्रोजन ऑक्साइड में 81 प्रतिशत का योगदान करते हैं। पुरानी तकनीक और उचित उत्सर्जन नियंत्रण की कमी के कारण दिल्ली और उसके आसपास के उद्योग जहरीली गैसें छोड़ते हैं। एनजीटी ने सीपीसीबी द्वारा प्रस्तुत क्षमता रिपोर्ट के आधार पर जिगजैग तकनीक वाले ईंट भट्ठों सहित सभी ईंट भट्ठों को बंद करने का निर्देश दिया है। पंजाब और हरियाणा में फसल अवशेषों को जलाने से दिल्ली की हवा में भारी मात्रा में धुआं और कण निकलते हैं। एनसीआर में चल रही निर्माण परियोजनाओं से अपर्याप्त नियंत्रण उपायों के कारण बड़ी मात्रा में धूल उत्पन्न होती है। राजमार्गों और मेट्रो लाइनों के निर्माण से परियोजना निष्पादन के दौरान पीएम 10 के स्तर में वृद्धि हुई है। भारत-गंगा के मैदान में दिल्ली का स्थान और सर्दियों के दौरान कम हवा की गति प्रदूषकों को फंसाती है, जिससे घने धुएँ की परत बनती है।

दिल्ली के वायु प्रदूषण को दूर करने के लिए निवारक उपाय स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देना है जैसे सीएनजी, इलेक्ट्रिक वाहन और हाइड्रोजन जैसे स्वच्छ ईंधन पर स्विच करना वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को काफी हद तक कम कर सकता है। दिल्ली की इलेक्ट्रिक वाहन नीति के तहत, सभी डिलीवरी सेवा प्रदाताओं को 2023 तक अपने बेड़े का 50% और 2025 तक 100% इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलना होगा। किसानों को बायो-डीकंपोजर और नो-बर्न तकनीक अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने से पराली जलाने में कमी आ सकती है। महाराष्ट्र में सगुना चावल तकनीक पराली जलाने को कम करती है। सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को बढ़ाने से निजी वाहनों पर निर्भरता कम हो सकती है, जिससे उत्सर्जन पर अंकुश लग सकता है। दिल्ली मेट्रो चरण ₹₹ का विस्तार कनेक्टिविटी में सुधार और यातायात से सम्बंधित प्रदूषण को कम करने का लक्ष्य रखता है। पूसा द्वारा विकसित बायोडीकंपोजर का उपयोग पराली प्रबंधन के महत्त्वपूर्ण विकल्पों में से एक है।

निर्माण स्थलों पर पानी का छिड़काव और एंटी-स्मॉग गन जैसे धूल दबाने वाले पदार्थों के इस्तेमाल को अनिवार्य करना। 2021 की सर्दियों के दौरान, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने आपातकालीन उपायों की एक श्रृंखला शुरू की, निर्माण पर प्रतिबंध लगाया, तीव्र धूल नियंत्रण उपायों को लागू किया। हरित स्थानों का विस्तार करना और सड़कों के किनारे पेड़ लगाना प्राकृतिक वायु शोधक के रूप में कार्य कर सकता है। नगर वन योजना एनसीआर उप-क्षेत्रों में हरियाली के लिए एक अवसर है। दिल्ली के वायु प्रदूषण को दूर करने के लिए उपचारात्मक उपाय। महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में स्मॉग टावर लगाने से स्थानीय स्तर पर प्रदूषक स्तर को कम करने में मदद मिल सकती है। कॉनॉट प्लेस के स्मॉग टावर ने प्रदूषण के चरम समय के दौरान वायु गुणवत्ता में स्थानीय सुधार दिखाया है। वास्तविक समय प्रदूषण निगरानी सेंसर जैसे उन्नत निगरानी उपकरण लक्षित हस्तक्षेपों के लिए सटीक डेटा प्रदान कर सकते हैं वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग दिल्ली की वायु गुणवत्ता संकट को दूर करने के लिए अंतर-राज्यीय सहयोग को बढ़ावा देता है।

पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं पर जनता को शिक्षित करना, जैसे कि वाहनों को निष्क्रिय रखना, प्रदूषण के स्तर को काफी हद तक प्रभावित कर सकता है। ₹रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ₹ जैसे अभियान उत्सर्जन को कम करने के लिए व्यवहार परिवर्तन को प्रोत्साहित करते हैं। सामान्य वायु प्रदूषण भारत में कोयले को जलाने से जुड़ा है, जिससे इसकी आधी से ज्यादा बिजली पैदा होती है। दिल्ली में, यह लाखों कारों से निकलने वाले उत्सर्जन और निर्माण उद्योग से निकलने वाले धुएँ के साथ मिलकर होता है, जहाँ प्रदूषण नियंत्रण नहीं है। अक्टूबर से जनवरी तक यह संकट और गहरा जाता है, जब ठंड के मौसम के साथ-साथ बड़े पैमाने पर फसल के ठूंठ जलाए जाते हैं। उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा के पड़ोसी राज्यों से धुआँ आता है, क्योंकि हजारों किसान फसल के मौसम के बाद कृषि अपशिष्ट जलाते हैं। हालाँकि, सर्दियों की भारी हवा प्रदूषकों को जमीन के करीब फँसा देती है, जिससे धुआँ और भी खराब हो जाता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

साहित्य की तीन पीढ़ियां और 'ज्ञानरंजन 88 के हो गए'

एक गांधीवादी साहित्यसेवी परिवार की संतान हैं ज्ञानरंजन। बचपन में चंचल स्वाभाव के थे तो किशोर वय और युवा अवस्था में उनका स्वर विद्रोही रहा। विचारों में विद्रोह, सामाजिक पैमानों के प्रति विद्रोह, अंतरंग रिश्तों के प्रति दृष्टिगत विद्रोह। उनके सारे नजरिए बिलकुल अलहदा थे। उसी से निकलकर आया कथाकार ज्ञानरंजन।

रविकान्त वर्मा

कथाकार ज्ञानरंजन 88 के हो गए। नई पीढ़ी की डिजिटल समझ शायद यह पढ़कर उन्हें गूगल में सर्च करने लगेगी। पर जबलपुर और देश-विदेश में उनके समकालीन और आगे-पीछे की तीन पीढ़ियां उनके अवदानों से ज्यादा उनके करिश्माई व्यक्तित्व के प्रभामंडल से आज तक नहीं उबर पाई हैं। एक जीवन कितना सहेज सकता है, बांट सकता है, लिपिबद्ध कर सकता है ज्ञानरंजन इसके एक बेशकीमती उदाहरण हैं। एक गांधीवादी साहित्यसेवी परिवार की संतान हैं ज्ञानरंजन। बचपन में चंचल स्वाभाव के थे तो किशोर वय और युवा अवस्था में उनका स्वर विद्रोही रहा। विचारों में विद्रोह, सामाजिक पैमानों के प्रति विद्रोह, अंतरंग रिश्तों के प्रति दृष्टिगत विद्रोह। उनके सारे नजरिए बिलकुल अलहदा थे। उसी से निकलकर आया कथाकार ज्ञानरंजन। जिनकी रचनाधर्मिता ने पिछली सदी के साठ के दशक की कहानियों को क्रांतिकारी मोड़ दिया। काल्पनिक कहानियों के दौर में उनके कथानक की साफगोई लेखन में परिवर्तन के संकेत बन गए जो आज भी दिशासूचक यंत्र बने हुए हैं। वैसे उनके जीवन का बड़ा हिस्सा हिन्दी की प्रोफेसरी में गुजरा। शेष पत्रिका पहल के संकलन संयोजन और संपादन में। इन्हीं के समानांतर उनकी कलम साहित्य और पत्रकारिता में प्रयोगधर्मिता और बोधगम्यता के साथ चलती रही। उम्र के इस पड़ाव पर किसी भी व्यक्ति का आकलन बहुत आसान हो जाता है। जीवन को टुकड़ों में नही देखा जा सकता है। और ये कसौटी समय सापेक्ष खरी भी नहीं उतरेगी। जीवन का समग्र आकलन ही व्यक्ति का सच्चा और निष्पक्ष आकलन होता है। ज्ञानरंजन का आरंभ एक अनगढ़ता और उनकी वैचारिक ऊहापोह के बीच होता है जो शनैः शनैः स्थिरता प्राप्त करता चला गया। स्वाध्याय के प्रति उनके आग्रह,उत्सुकता और प्रयासों से वे वैश्विक साहित्य के प्रति आर्कषित हुए वहीं पारिवारिक परिवेश और पिता रामनाथ ₹सुमनर₹का लेखकीय दृष्टिकोण उनका मार्गदर्शक बना रहा। अध्ययन और अध्यापन उनका प्रिय शगल है। अध्यापन की उनकी अपनी एक विशिष्ट शैली थी जो उन्हें अपने समकालीन शिक्षकों से इतर एक वैशिष्ट्य प्रदान करती है। बिना किताबी सहारा लिए धारा प्रवाही अभिव्यक्ति उस पीढ़ी के छात्रों को आज भी चमत्कृत करती है। अनुभवों का एक ठोस धरातल उन्होंने अपने सिनैमेटिक विजन से तैयार किया और यथार्थ की कसौटी पर कसा तभी उनके शब्द उनके विचार उनकी शैली लेखन और वाचन निराला और मर्मस्पर्शी होता है। कह सकते हैं ये रेयरेस्ट आफ रेयर के पास होता है। कभी कामरेड कहलाने वाले ज्ञानरंजन मार्क्सवादी चिंतन के थिंक टैंक थे। मार्क्स, लेनिन और अन्य रूसी लेखकों के अनुगामी भी थे। लेकिन आज वे समाजवादी जीवन शैली का हिस्सा प्रतीत होते हैं। पर ये यू टर्न नहीं है वरन उनके वैचारिक परिवर्तन का क्रमिक सोपान है।

पिता सुमनजी देश के श्रेष्ठ अनुवादकों में एक थे। घर पर उनके समकालीन शब्द शिल्पियों का आना जाना लगा रहता था उन्हीं के सानिध्य में ज्ञानरंजन खुद को तराश रहे थे। निखर रहे थे प्रखर हो रहे थे। अकोला में वे पैदा हुए। इलाहाबाद (प्रयागराज) में परवरिश। फिर जबलपुर को कृतित्व और व्यक्तित्व से पहचान दी फिर इसी शहर की पहचान बन गए और अंततः यहीं के हो गए। पहल का संपादन उनकी स्वतः स्फूर्त पहल था जो आज संग्रहालयीन संपत्ति बन चुका है। उत्कृष्टता इस पत्रिका की पहचान है। देश और काल की सीमाओं का अतिक्रमण, नव लेखकों की पड़ताल ज्ञानरंजन की एकाकी साधना से ही संभव हो सका। उनका श्रेष्ठतम जनसंपर्क भी इसके प्रकाशन में सहभागी बना। एक दौर उनकी पत्रकारिता का भी लोगों ने देखा जब शहर में ज्ञानयुग अखबार निकला तब सोशल मीडिया का दौर नहीं था कंधे पर थैली, जीन्स पर खड़े कॉलर वाला कुर्ता पैरों में सामान्य चप्पलें पहने ज्ञानरंजन आर्कषण का केन्द्र हुआ करते थे। मिलनसारिता, लोगों की हौसला अफजाई करना, उनके तार्किक ज्ञान से ऊपर नजर आता था। कुछ लोगों की बहस का विषय होता है ज्ञानरंजन कथाकार अच्छे हैं या संपादक। कथानक अनुभवों से बेहतर बनता है और संपादकत्व समीचीन हो तो अच्छा लगता है। उनके पास दोनों में महारत है। पर मुझे लगता है ज्ञानरंजन यदि आलोचक होते तो श्रेष्ठतम आलोचकों में उनका शुमार होता। पर आलोचक कभी भी प्रभावी लेखक नहीं हो सकता है। ऐसे में शायद हम सभी उनके लेखन, चिंतन, और वृक्तत्व प्रस्तुतियों से वंचित रह जाते। सोवियत लैंड पुरुस्कार, मैथलीशरण सम्मान, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय की मानद डाक्टरेट, गुलजार के हाथों प्रदत्त अमर उजाला का सम्मान और उनके लेखन पर हुए अनेकों प्रकाशन से दूर ज्ञानरंजन अपने चुम्बकीय आर्कषण से चीन्हें जाते हैं। साल दर साल उन्हें एक नए एंगल से देखा जा सकता है हर बार उनमें कुछ नया मिल जाता है, और कुछ बाकी रह जाता है। बहरहाल उनकी मौजूदगी और उम्र के नवमें दशक का ये जन्मदिवस (21 नवंबर) उनके चाहने वालों और आलोचकों के लिए उपहार है।

(लेखक, वरिष्ठ एंकर हैं।)

बिहार के मां दक्षिणेश्वर काली मंदिर में दी जाती है बकरे की बलि

बिहार के जमुई जिले के सिकंदरा प्रखंड के लछुआड़ स्थित मां दक्षिणेश्वर काली मंदिर काफी पुराना मंदिर है। इस मंदिर में पिछले 200 सालों से भी अधिक समय से तांत्रिक विधि से पूजा-अर्चना होती चली आ रही है। हर साल दिवाली के मौके पर अर्धरात्रि में मां काली की प्रतिमा स्थापित कर तांत्रिक विधि से पूजा-अर्चना की जाती है। प्राचीन गिद्धौर राजवंश के तत्कालीन राजा महाराजा चंद्रचूड़ सिंह ने इस जगह पर पूजा अर्चना प्रारंभ की थी। उस दौरान यहां पर मां काली को भैंसे की बलि दी जाती थी। फिर साल 1996 में गिद्धौर रियासत के अंतिम शासक महाराजा प्रताप सिंह ने दक्षिणेश्वर काली मंदिर की पूजा-अर्चना का अधिकार गांव के स्थानीय लोगों को दे दिया।

मंदिर में दी जाती है बलि

मां दक्षिणेश्वर काली मंदिर में भैंसे की बलि बंद करने के बाद बकरे की बलि दी जाती है। तमाम तरह के मेवा मिष्ठान के साथ

56 तरह के भोग लगाया जाता है। इस 56 भोग में बकरे का पका हुआ मांस भी शामिल होता है। बता दें कि प्रतिमा की स्थापना से लेकर अगले तीन दिनों तक मां काली को बकरे की बलि देकर रोजाना नियमित रूप से बकरे का मांस पकाकर भोग लगाया जाता है। बताया जाता है कि यहां पर मां काली की प्रतिमा का स्वरूप अन्य जगहों की अपेक्षा काफी उग्र है।

विगत चार पीढ़ियों से इस काली मंदिर में प्रतिमा की स्थापना के लिए देवघर के पुरोहित द्वारा पूजा अर्चना की जा रही है। मंदिर के पास प्रतिमा स्थापना से लेकर तीन दिनों तक भव्य मेले का आयोजन होता है। धार्मिक मान्यता है कि यहां पर मां काली की पूजा के मौके पर दक्षिण बिहार का सबसे भव्य मेला लगता है।

बता दें कि इस मंदिर के पास में प्राचीन गिद्धौर रियासत का किला मौजूद है, जो इसकी भव्यता को दशार्ता है। यहां के स्थानीय लोगों की मानें, तो इस पूरे क्षेत्र की मंदिर से आस्था सदियों से जुड़ी है। मां की कृपा से श्रद्धालुओं को मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है और मनोकामना पूरी होने के बाद भक्तों द्वारा माता रानी को प्रसाद भेंट में चढ़ाया जाता है। इसके अलावा यहां पर बकरे की बलि भी दी जाती है।

सेहत

थायराइड में रामबाण से कम नहीं है धनिया

खराब लाइफस्टाइल और गलत खानपान की वजह से ब्लड शुगर, पीसीओडी, थायराइड और मोटापा होने लगता है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में थायराइड की समस्या अधिक देखी जाती है। थाइराइड एक हार्मोन नियामक ग्रंथि होती है और इसमें इंबैलेंस होने का कारण हार्मोन जरुरत से ज्यादा मात्रा में उत्पादन करने लगते हैं। थायराइड को नियंत्रण रखने के लिए रोजाना खाली पेट एक दवा खाने के लिए दी जाती है।

धनिया का फायदा : अगर आप थायराइड की समस्या से परेशान हैं तो धनिया से अच्छा क्या हो सकता है। धनिया में मौजूद विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, जो शरीर में सेल्स को फ्री रेडिकल से होने वाले क्षति से बचाव करने में मदद करता है। थायराइड की ग्रंथि के लिए धनिया के बीजों से बेहतर पारंपरिक चिकित्सा में भी किया गया है।

हरे धनिया में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। हरा धनिया में विटामिन अ, ड और उ, पोटैशियम, डाइटरी फाइबर, आयरन, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम और कैल्शियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है। धनिए में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट इम्यूनिटी को मजबूत करता है। इसके साथ ही थायराइड को कंट्रोल भी करता है और साथ ही कमजोरी, बैड कोलेस्ट्रॉल, दिमाग, दिल को स्वस्थ रखता है।

कैसे करें हरे धनिया का सेवन : थायराइड की समस्या से परेशान हैं, तो आप फ्रेश हरे धनिया की पत्तियों को पानी से धोकर साफ कर लें और इसे मिक्सी की मदद से पेस्ट बना लें और रोज सुबह के समय खाली पेट गुनगुने पानी के साथ मिलाकर सेवन करें। नियमित रुप से एक सप्ताह तक इसे पीने से थायराइड कंट्रोल हो सकता है। इसे आप 1 महीने तक पी सकते हैं इससे ज्यादा नहीं।

नींबू और शहद के साथ धनिया पत्ते का सेवन : आप चाहे तो धनिया के हरे पत्तों को ब्लेंडर या मिक्सी की मदद से इसका जूस बना सकते हैं। जूस जब बन जाएं तो इसमें नींबू का रस, शहद और आधा कप पानी अच्छे से मिला लें। फिर आप इसे खाली पेट सेवन करें।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज ब्रीफ

मतगणना प्रक्रिया का समयबद्ध संचालन शुरू

साहिबगंजः सुबह 8:00 बजे पोस्टल बैलेट की गिनती की प्रक्रिया और 8:30 बजे से ईवीएम में दर्ज मतों की गिनती आरंभ हो गई।सुबह 9:30 बजे से मतगणना के प्रारंभिक रुझान मिलना शुरू हो गया।हालांकि

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी का संदेश के.रवि कुमार ने अधिकारियों से कहा कि मतगणना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जिसे सटीकता और पारदर्शिता के साथ पूरा करना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने मतगणना प्रक्रिया को निर्धारित समय में संपन्न करने और सभी नियमों का पालन करने का आह्वान से साहिबगंज निर्वाचन अधिकारी कि सूझ बूझ के कारण समाचार लिखे जाने तक गिनती जारी थी ।

68वीं राष्ट्रीय विद्यालय अंडर 17 एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए तीन खिलाड़ी रवाना

साहिबगंज : स्कूल फेडरेशन ऑफ इंडिया एवम उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आगामी 26 से 30 नवम्बर को लखनऊ में आयोजित 68वीं राष्ट्रीय विद्यालय अंडर 17 एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु लालजी यादव- 5000 मीटर वॉक,परमा हांसदा- 200 मीटर +2 उच्च विद्यालय, राजस्थान अली- शॉटपुट थ्रो +2 सी. एम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस सकरीगली का चयन झारखंड टीम में किया गया है। राज्य टीम के साथ तीनों एथलीट विशेष कैंप एवम लखनऊ जाने के लिए रांची रवाना हुए । ज्ञात हो परमा हांसदा एवम लालजी यादव खेलकूद एवम युवा कार्य निदेशालय, झारखंड , रांची द्वारा सिदो कान्हु स्टेडियम,साहेबगंज में संचालित बालक आवासीय एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षु हैं। एवम अली, डे बोर्डिंग बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र, सकरीगली के प्रशिक्षु हैं इन्होंने झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची द्वारा 16 से 19 अक्टूबर तक रांची में संपन्न खेलो झारखंड राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में जिले के लिए पदक जीता था। उपायुक्त श्री हेमंत सती ,जिला खेल पदाधिकारी श्री पंकज कुमार झा,जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री दुर्गा नंद झा आवासीय एथलेटिक्स प्रशिक्षक योगेश यादव, डे बोर्डिंग प्रशिक्षक अशोक साहनी, जीम ट्रेनर गौरव झा समेत जिले वासियों ने बेहतर प्रदर्शन हेतु शुभ कामना दी ।

चास में आभूषण व्यवसायी की बाइक की डिक्की से 20 लाख के गहने ले भागे अपराधी

बोकारोः चास के वंशीडीह मोड़ के पास शुक्रवार को दिनदहाड़े बाइक सवार दो अपराधियों ने आभूषण व्यवसायी दिनेश कुमार की बाइक की डिक्की से करीब 20 लाख रुपए के सोनाझचांदी के गहले लेकर फरार हो गए. दोनों अपराधियों की तस्वीर दिनेश ज्वेलरी शॉप के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है. जिसके आधार पर चास थाना पुलिस जिले की सीमा को सील कर अपराधियों की धरपकड़ में जुट गई है. पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, आभूषण व्यवसायी दिनेश कुमार सुबह करीब 11 बजे बाइक से दुकान पहुंचे और बाइक खड़ी कर दुकान खोलने लगे. इस बीच दो अपराधी बाइक से पहुंचे और उनके बाइक की डिक्की खोलकर अंदर बैग में रखे 20 लाख रुपए के गहने निकालकर फरार हो गए. दिनेश कुमार चीखते चिल्लाते रहे और अपराधी आंखों से ओझल हो गए. उन्होंने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी. अपराधियों की खोज में पुलिस छापेमारी कर रही है.

जेवरात व रुपयों की लालच में नौकरानी व उसके पति पर वृद्धा की हत्या का आरोप

दुमका : पियादापुर मोहल्ले में 77 वर्षीय वृद्धा दया देवी की हत्या ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया. शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव को परिजनों को सौंप दिया. यह घटना न केवल दुखद है, बल्कि कई अनसुलझे सवाल भी खड़े करती है. दया देवी के छोटे बेटे गोल्डी लालवानी ने बताया कि गुरुवार शाम जब घटना हुई, तो घर में कोई भी मौजूद नहीं था. शाम करीब सात बजे उनके बड़े भाई सोवराज लालवानी घर लौटे तो दरवाजा अंदर से बंद पाया. दरवाजा तोड़कर अंदर जाने पर उन्होंने कमरे में अपनी मां का जलता हुआ शव देखा. कमरे में गैस सिलिंडर और चूल्हा भी मौजूद था. सोवराज लालवानी ने नगर थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए घर में काम करने वाली नौकरानी मीना और उसके पति जय प्रकाश उर्फ डब्बू पर हत्या का आरोप लगाया है. उनका कहना है कि घटना के वक्त दया देवी घर में अकेली थीं. उनके गले में दो तोला सोने की चेन और अन्य कीमती आभूषण थे, जो घटना के बाद गायब पाये गये. इसके अलावा घर से 15,000 रुपये नकद भी चोरी हो गये. परिजनों का दावा है कि मीना और उसके पति घर में आते-जाते थे. घटना के बाद उनकी भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और सभी पहलुओं की गहराई से पड़ताल की जा रही है. पुलिस ने भी जेवरात व रुपयों की लालच में हत्या की आशंका जतायी है.

इएमयू व ट्रक टक्कर हादसे में वाहन ओनर ने गेटमैन पर लापरवाही का लगाया आंरोप, दर्ज करायी प्राथमिकी

देवघरःजसीडीह थानांतर्गत हावड़ा-नई दिल्ली रेलखंड पर स्थित रोहिणी नावाडीह रेलवे फाटक पार करने के क्रम में ट्रेन की चपेट में आकर ट्रक क्षतिग्रस्त हो गया था. उस दौरान ट्रक पर लोड एस्बेस्टस गायब हो गये. घटना को लेकर ट्रक मालिक कुंडा थाना क्षेत्र के झौसागढ़ी बैजनाथपुर निवासी शंभू शरण सिंह ने जसीडीह थाने में प्राथमिकी दर्ज करते हुए रोहिणी नावाडीह के गेटमेन को आरोपित बनाया है. वहीं क्षतिग्रस्त ट्रक को लेकर रेलवे से मुआवजा दिलाने की मांग थाना प्रभारी से की है. दर्ज प्राथमिकी में जिक्र है कि चालक राजीव कुमार ने 19 नवंबर की दोपहर 2:25 बजे सूचित किया कि जसीडीह औद्योगिक क्षेत्र स्थित हैदराबाद इंडस्ट्रीज से एस्बेस्ट्स सीट लेकर जमशेदपुर जा रहा था. रोहिणी नवाडीह रेलवे फाटक खुला था, जिसे पार करने के दौरान झाझा-वर्द्धमान मेमो ट्रेन से टकरा गया. घटना में ट्रक सहित एस्बेस्टस क्षतिग्रस्त हो गये और चालक बच गया. इस सूचना पर वह घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों से पूछताछ की तो पता चला कि रेलवे फाटक खुला रहने के कारण घटना हुई. क्षतिग्रस्त ट्रक से गाड़ी पर ऐस्बेस्टस लोड कर व सामान चोरी कर लोग भाग रहे थे. मौके पर जीआरपी, सीआरपीएफ को सामान ले जाने से रोकने को कहा, किंतु कोई कार्रवाई नहीं हुई. इस दुर्घटना में गेटमैन सहित ट्रेन के चालक और स्टेशन प्रबंधक की लापरवाही का आरोप लगाया है.

हेमंत सोरेन के भाई बसंत सोरेन को दुमका में मिल रही कड़ी टक्कर

मेट्रो रेज संवाददाता

दुमका : झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 में दुमका विधानसभा सीट पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के छोटे भाई बसंत सोरेन को कड़ी टक्कर मिल रही है. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सुनील सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के बसंत सोरेन के खिलाफ मजबूती से लड़ रहे हैं.

बसंत सोरेन को 8 राउंड के बाद मिले 32,854 वोट

दुमका विधानसभा सीट पर 21 में से 8 राउंड की गिनती हो चुकी है. शुरूआती मतगणना में सुनील सोरेन से पिछड़ने के बाद बसंत सोरेन ने बढ़त बना ली है. बसंत सोरेन 871 मतों से आगे चल रहे हैं. बसंत को अब तक 32,854 वोट मिले हैं. सुनील सोरेन को 31,983 वोट मिले हैं.

दुमका विधानसभा सीट पर हुई थी 70.56 फीसदी वोटिंग

दुमका विधानसभा सीट पर झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 के दूसरे चरण में 20 नवंबर को वोटिंग हुई थी. अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित इस सीट पर 70.56 प्रतिशत लोगों ने वोट डाले थे. वर्ष 2019 के चुनाव में हेमंत सोरेन ने इस सीट पर जीत दर्ज की थी. बाद में उन्होंने दुमका सीट छोड़ दी, तो बसंत सोरेन उपचुनाव जीतकर विधायक बने थे.

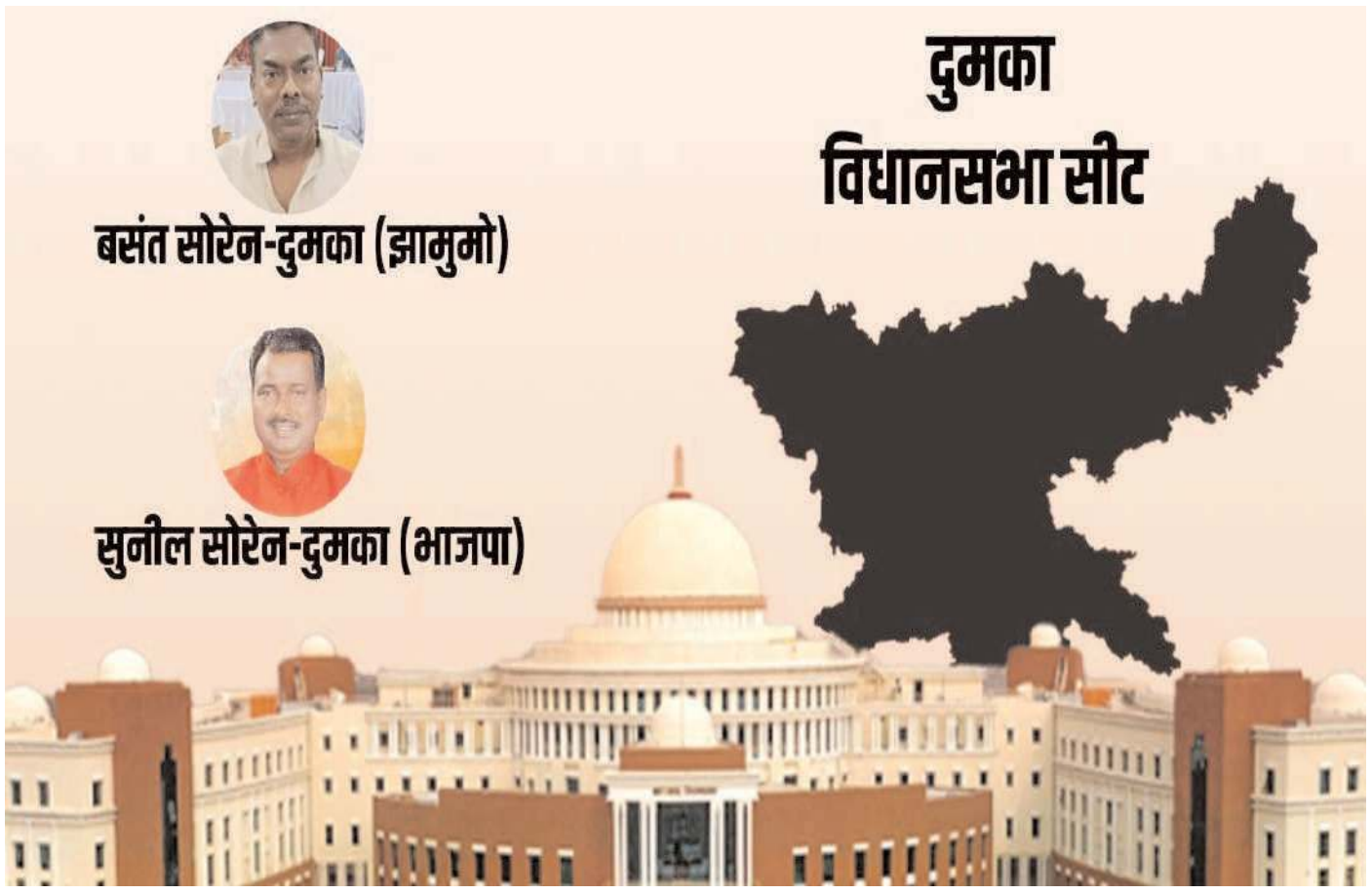

ट्रक में बैगन के नीचे छिपाकर उत्तर प्रदेश ले जाया जा रहा था लाखों का डोडा, पुलिस ने किया जब्त

मेट्रो रेज संवाददाता

लातेहारः नशा तस्करों के नापाक मंसूबों पर लातेहार पुलिस ने पानी फेर दिया. तस्कर एक ट्रक में बैगन की बोरियों के पीछे 857 किलो अफीम डोडा छिपाकर ले जा रहे थे. लेकिन लातेहार पुलिस ने डोडा समेत ट्रक को पकड़ लिया. बरामद अफीम डोडा की कीमत 50 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है.

दरअसल, लातेहार एसपी कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली थी कि लातेहार से डाल्टनगंज जाने वाली सड़क पर सदर थाना क्षेत्र के एक पेट्रोल पंप के पास एक ट्रक लावारिस हालत में खड़ा है. सूचना के बाद एसपी के निर्देश पर डीएसपी अरविंद कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम तत्काल मौके पर गई और ट्रक को जब्त कर लिया. हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले ही ट्रक का चालक और खलासी भाग चुके थे. पुलिस ने जब ट्रक की तलाशी ली तो बोरियों में बैगन भरा हुआ मिला. बैगन की उन्हीं बोरियों के नीचे डोडा छिपाकर रखा गया था.

घटना की जानकारी देते हुए डीएसपी अरविंद कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जब पुलिस टीम ने ट्रक को जब्त किया तो उसमें भारी मात्रा में डोडा मिला. उन्होंने बताया कि ट्रक उत्तर प्रदेश का बताया जा रहा है. डीएसपी ने बताया कि ट्रक का चालक और सह चालक भाग गए हैं. इस कारण उनकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है. चालक और सह चालक की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की ओर से छापेमारी की जा रही है. उन्होंने बताया कि अफीम का डोडा कहां से आ रहा था, इसकी भी जांच की जा रही है.

52 बोरियों में भरकर ले जाया जा रहा था डोडा

डीएसपी अरविंद कुमार ने बताया कि ट्रक से 52 बोरियां बरामद की गई हैं. जिसमें ऊपर बैगन रखे हुए थे, लेकिन बैगन के नीचे डोडा भरा हुआ था. उन्होंने बताया कि बरामद डोडा की कीमत 50 लाख रुपये से अधिक आंकी जा रही है.

चंडीगढ़ ले जाई जा रही लाखों की अफीम को आरपीएफ ने किया जब्त

पलामूः डालटनगंज रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षाबल ने लाखों की अफीम की खेप को पकड़ी है. अफीम की यह खेप चंडीगढ़ ले जाई जा रही थी. अफीम की तस्करी के आरोप में आरपीएफ ने एक महिला समेत तीन को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार सभी आरोपी पलामू के तरहसी थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं. गिरफ्तार तस्करों ने रेलवे सुरक्षा बल को कई महत्वपूर्ण जानकारी विधि है एवं तस्करों के नेटवर्क के बारे में भी बताया है. रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के अधिकारी ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा को लेकर डालटनगंज रेलवे स्टेशन पर निगरानी रखे हुई थी. इसी क्रम में सूचना मिली की अफीम की तस्करी होने वाली है. आरपीएफ ने सूचना के आधार पर संदिग्धों की तलाशी ली तो उनके पास से डेढ़ किलो अफीम बरामद हुआ है. मौके से पलामू के तरहसी थाना क्षेत्र के उदयपुरा गोइंदी के रहने वाले ज्ञांती देवी, नागेंद्र पासवान एवं वीरेंद्र साव को गिरफ्तार किया गया. पूरे मामले में रेलवे सुरक्षा बल ने एफआईआर दर्ज करते हुए आगे का अनुसंधान शुरू किया है. इस छापेमारी में गढ़वा चेक पोस्ट के प्रभारी इंस्पेक्टर बनारसी यादव, उपनिरीक्षक मुन्ना कुमार, महिला कांस्टेबल शिवज्योति कुमार समेत कई अधिकारी शामिल थे. गिरफ्तार तस्करों ने आरपीएफ को बताया है कि वह पंजाब के चंडीगढ़ में अफीम की डिलीवरी देने वाले पैसेंजर ट्रेन से अफीम के खेप को चंडीगढ़ ले जा रहे थे. इंस्पेक्टर बनारसी यादव ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर यह सफलता मिली है. अफीम को पंजाब के चंडीगढ़ ले जाया जा रहा था. एक महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. इसके अलावा करीब डेढ़ किलो अफीम बरामद हुआ है.

बरवाअड्डा कृषि बाजार से फल मंडी मेमको मोड़ में शिफ्ट

धनबाद : धनबाद जिला प्रशासन ने विधानसभा चुनाव को लेकर कृषि उत्पादन बाजार समिति, बरवाअड्डा परिसर को मतगणना स्थल बनाया है. जिले के सभी छह विधानसभा क्षेत्रों की ईवीएम यहीं पर सील कर रखी गई हैं. शनिवार सुबह 8 बजे से यहां मतगणना शुरू होने वाली है. इसके चलते जिला प्रशासन ने कृषि बाजार समिति में पिछले 18 नवंबर से ही खाद्यान्न व फलों के कारोबार पर रोक लगा दी है. यह रोक 25 नवंबर तक जारी रहेगी. कारोबारियों ने बताया कि फल मंडी स्थायी तौर पर मेमको मोड़ में शिफ्ट कर दी गई है. 25 नवंबर तक यहीं से फल का होल सेल का कारोबार होगा. चूंकि फल कच्चा सौदा है, इसलिए व्यसायी कम माल मंगा रहे हैं. फल मंडी 26 नवंबर को पुनः कृषि बाजार समिति में शिफ्ट कर दी जाएगी. इसके बाद अवाक व कारोबार बढ़ने का अनुमान है.

गढ़वा में मोबाइल दुकान में चोरी मामले का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

गढ़वाः मोबाइल दुकान में चोरी मामले का गढ़वा पुलिस ने खुलासा कर दिया है. पुलिस ने चोरी की वारदात में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है.साथ ही पुलिस ने मोबाइल दुकान से चोरी हुई 16 लाख रुपये के कुल 96 मोबाइल बरामद कर लिया है. इसकी पुष्टि गढ़वा एसपी दीपक पांडेय ने की है.

एसपी दीपक पांडेय ने बताया कि गढ़वा के मंझीआंव थाना क्षेत्र में 13 नवंबर को मोबाइल दुकान में भीषण चोरी की घटना हुई थी. चोरों ने दुकान का वेंटीलेटर

काटकर लाखों रुपये के मोबाइल पर हाथ साफ कर दिया था. एसपी ने बताया कि घटना में शामिल तीनों आरोपी आपस में रिश्तेदार हैं.दो आरोपी साले हैं और एक बहनोई है. पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. तीसरे की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है.

गढ़वा एसपी ने बताया कि आरोपियों की योजना नया मोबाइल दुकान खोलने की थी और चोरी का मोबाइल उसी दुकान में खपाने की थी, लेकिन पुलिस ने आरोपियों के मंसूबे पर पानी फेर दिया है. एसपी ने बताया कि इस कांड के उद्भेदन में पुलिस टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारियों और जवानों को पुरस्कृत किया जाएगा.

बता दें कि पहले चरण के मतदान की रात यह चोरी की घटना हुई थी. जिला प्रशासन दिन भर मतदान कराने के बाद ईवीएम मशीन को मतगणना केंद्र तक सुरक्षित पहुंचाने में व्यस्त था और चोरों ने मोबाइल पर हाथ साफ कर दिया था. चोरी की यह घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई थी.

ट्राइबल क्षेत्र में महिलाओं ने जमकर की वोटिंग, 81 में 68 पर पुरुष मतदाता रहे पीछे

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः झारखंड विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में भी महिलाओं ने जमकर भागीदारी निभाई है. इस चरण में पड़े कुल 85 लाख 43 हजार 63 मतों में 43 लाख 96 हजार 160 महिलाओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है. वहीं 41 लाख 46 हजार 835 पुरुषों ने वोट डाले हैं. चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार इस चरण में 38 विधानसभा क्षेत्र में 20 नवंबर को हुए मतदान में कुल 68.95 प्रतिशत वोटिंग हुई है. दूसरे चरण में 38 सीटों में 31 पर वोटिंग करने में महिलाएं आगे रही हैं.

इसी तरह अगर झारखंड विधानसभा के सभी 81 सीटों पर नजर दौड़ाएं तो 68 सीटों पर पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं ने अधिक वोट किया है. पहले चरण में 43 सीटों पर मतदान हुआ था. जिसमें 37 सीटों पर पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं ने अधिक भागीदारी निभाते हुए मतदान

किया. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार के अनुसार महिलाओं का मतदान प्रतिशत बढ़ने के पीछे जागरूकता में हुई वृद्धि और मतदाता सूची पुनरीक्षण प्यूरिफिकेशन वजह है.

दूसरे चरण में 38 में से 31 पर वोटिंग करने में महिलाएं रहीं आगे

दूसरे और अंतिम चरण में 20 नवंबर को हुए मतदान में 38 में से 31 सीटों पर वोटिंग करने में महिलाएं आगे रही हैं. जिन सीटों पर पुरुषों के अपेक्षा महिलाओं ने अधिक भागीदारी निभाई उसमें राजमहल, बोरियो, बरहेट, लिट्टीपाड़ा, पाकुड़, महेशपुर, शिकारीपाड़ा, नाला, जामताड़ा, दुमका, जामा,जरमुंडी, मधुपुर, सारठ, पोड़ैयाहाट,गोड्डा, महगामा, रामगढ़, मांडू, धनवार, बगोदर, जमुआ, गांडेय, गिरिडीह, डुमरी, गोमिया, बेरमो, चंदनकियारी, टुंडी, सिल्ली और खिजरी शामिल है.

सबसे खास बात यह है कि जनजातीय बहुल क्षेत्र में महिला पुरुषों की तुलना में मतदान करने में आगे रही हैं. शिकारीपाड़ा में महिलाओं ने मतदान के प्रति बढ़चढ़कर भागीदारी निभाई है. शिकारीपाड़ा में 91 हजार 439 महिलाओं ने मतदान किया है वहीं 81 हजार 609 पुरुषों ने मतदान किया है. इस तरह से देखें तो करीब 10 हजार महिलाओं ने पुरुषों से अधिक मतदान किया है. इसी तरह से जामा में 87 हजार 740 महिलाओं ने मतदान किया और 74 हजार 144 पुरुषों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है. राज्य के सभी विधानसभा सीटों का परिणाम 23 नवंबर को आएंगे.

रोहित शेट्टी ने अजय देवगन को बताया बॉलीवुड का सबसे सुरक्षित अभिनेता

दीवाली पर आई रोहित शेट्टी निर्देशित फिल्म सिंघम अगेन बॉक्स ऑफिस पर कोई बड़ा कमाल नहीं कर सकी। अजय देवगन की स्टार पावर भी इस फिल्म को बचाने में कामयाब नहीं हुई। हाल ही में इस फिल्म को लेकर और अजय देवगन से जुड़ी कुछ बातें रोहित शेट्टी ने साझा की।

अजय देवगन रोहित शेट्टी की कई फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। खासकर सिंघम सीरीज की फिल्मों में ज्यादातर अजय ही मुख्य भूमिका में रहे। साथ ही यह दोनों गहरे दोस्त भी हैं। हाल ही में रोहित ने एक इंटरव्यू में बताया कि अजय कमाल के एक्टर होने के साथ बहुत सिक्योर भी हैं। उन्हें अपने सह-कलाकारों से बतौर अभिनेता कभी भी असुरक्षा का भाव महसूस नहीं होता है।

अजय को रोल की लंबाई से मतलब नहीं होता

रोहित शेट्टी ने हालिया एक इंटरव्यू में बताया कि अजय देवगन को फिल्म में अपने रोल की लंबाई से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता है। वह एक सुरक्षित अभिनेता हैं। रोहित कहते हैं, हमने साथ में बहुत सी फिल्में की हैं। अजय ने कभी सवाल नहीं किया कि उन्हें फिल्म में किस तरह से पेश किया जा रहा है या फिर फिल्म में कितने कलाकार हैं। वह बस अपना काम अच्छे से करते हैं, उन्हें फिल्म की लंबाई की फिक्र कभी नहीं रही।

सिंघम सीरीज को बताया कल्ट

रोहित ने अजय देवगन के अलावा सिंघम सीरीज पर भी बात की। उन्होंने कहा कि हमें कभी नहीं लगा कि यह एक कल्ट फिल्म बन जाएगी और बॉक्स ऑफिस पर शानदार बिजनेस करेगी। रोहित की बाकी सिंघम सीरीज की फिल्मों ने जरूर अच्छी कमाई की, लेकिन इस बार सिंघम अगेन को मनचाही सफलता नहीं मिली। सिंघम अगेन का बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा।

अजय और रोहित ने की साथ ये फिल्में

सिंघम सीरीज के अलावा कई हिट फिल्में अजय देवगन और रोहित शेट्टी ने साथ की हैं। इसमें गोलमाल सीरीज और बोल बच्चन और ऑल द बेस्ट जैसी फिल्में शामिल हैं। गोलमाल में तो रोहित ने अजय से गजब की कॉमेडी करवाई है, जबकि उनकी छवि बॉलीवुड में एक गंभीर किरदार निभाने वाले एक्टर की रही है।

कोरियाई सिनेमा की फैन निकलीं दिशा पाटनी कंटेंट को लेकर कहा

बॉलीवुड और तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में किस्मत आजमाने के बाद अब दिशा पटानी तमिल सिनेमा में अपना डेब्यू करने जा रही हैं। उनकी पहली फिल्म का नाम कंगुवा है, जिसमें सूर्या मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। हाल ही में एक बातचीत में दिशा ने जापानी एनीमे और कोरियाई संस्कृति के प्रति अपनी भावनाएं खुलकर व्यक्त कीं। सोशल मीडिया पर दिखता है कोरियाई प्रेम

सोशल मीडिया पर दिशा को फॉलो करने वालों को यह बात अच्छी तरह से पता है कि उन्हें एनीमे (फिल्म और टेलीविजन एनीमेशन की जापानी शैली) कितना पसंद है। उन्हें अक्सर वीकएंड पर एनीमे देखते हुए और कोरियाई पॉप बैंड ईएक्सओ के काई के गानों पर वर्कआउट करते हुए देखा जाता है।

एनीमे को लेकर कही यह बात

दिशा को एनीमे की भावनात्मकता काफी आकर्षित करती है, लेकिन उनका मानना है कि दक्षिण कोरिया से आने वाले कंटेंट बॉलीवुड से बहुत प्रेरित होता है। उन्होंने कहा, मैं बचपन में एनीमे और ड्रैगनबॉल्ज जैसी चीजें देखते हुए बड़ी हुई हूं। एनीमे मुझे रोमांचित करता है। हालांकि, अधिकांश एनीमे में भावनात्मक जुड़ाव अवास्तविक सा लगता है।

पसंद है कोरिया की संस्कृति

उन्होंने कहा, कोरिया फिल्म निर्माण, सीरीज और रोमांस के मामले में बहुत बढ़िया है। मुझे लगता है कि जब आप इसे देखते हैं तो लगता है कि इसमें बहुत कुछ बॉलीवुड से लिया गया है। मुझे उनका संगीत, फैशन, संस्कृति और इससे जुड़ी हर चीज बहुत पसंद है।

इस फिल्म में दिखी थीं दिशा

वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में दिशा की फिल्म कल्कि 2898 एडी रिलीज हुई थी। नाग अश्विन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में प्रभास, अमिताभ बच्चन और दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिका में थे। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। इस फिल्म के बाद नाग अश्विन जल्द ही इस फिल्म के सीक्वल की तैयारी शुरू करने जा रहे हैं।

पुष्पा 2 के गाने के लिए श्रीलीला को मिली दो करोड़ की फीस

दक्षिण भारत की खूबसूरत अभिनेत्री श्रीलीला फिल्म पुष्पा 2 की वजह से चर्चा में हैं। इस फिल्म में वह अल्लू अर्जुन के साथ एक गाने में नजर आने वाली हैं। फिल्म के निर्माता इस आइटम सॉन्ग से फिल्म में चार चांद लगाने की पूरी कोशिश में हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार इस फिल्म के लिए श्रीलीला को दो करोड़ रुपये का भुगतान किया जाएगा। हालांकि, श्रीलीला की यह फीस उनकी पिछली रिलीज गुंटूर कारम की तुलना में काफी कम है। महेश बाबू अभिनीत फिल्म के लिए उन्हें कथित तौर पर चार करोड़ रुपये मिले थे।

सामंथा ने लिए थे इतने करोड़

श्रीलीला की पुष्पा 2 की फीस की तुलना फिल्म के पहले भाग में नजर आ चुकी सामंथा रुथ प्रभु से करें तो यह 60 फीसदी कम है। पुष्पा पार्ट 1 में सामंथा आइटम गाने ऊ अंतवा में दिखाई दी थीं, जिसके लिए उन्हें कथित तौर पर पांच करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था।

श्रद्धा को भी मिला था ऑफर

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसे भी दावे किए गए थे कि बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर को शुरू में इस आइटम सॉन्ग का प्रस्ताव दिया गया था, लेकिन उन्होंने कथित तौर पर पांच करोड़ रुपये की मांग की थी। इसके बाद निर्माताओं ने श्रीलीला के नाम पर मुहर लगा दी थी। श्रीलीला को इस गाने में कास्ट किए जाने के फैसले पर अब तक लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रिया आई है।

इस दिन रिलीज होगी पुष्पा 2

पुष्पा 2 की बात करें तो हाल ही में इस फिल्म को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई थी। सोशल मीडिया के माध्यम से फिल्म के निर्माताओं ने बताया था कि इस फिल्म के ट्रेलर को बिहार की राजधानी पटना में 17 नवंबर 2024 को रिलीज किया जाएगा। फिल्म की स्टारकास्ट की बात करें तो इसमें अल्लू अर्जुन के साथ रश्मिका मंदाना और फहद फाजिल एक बार फिर से नजर आने वाले हैं। सिनेमाघरों यह फिल्म 5 दिसंबर को दस्तक देगी।

सेंसर बोर्ड से पास हुई द साबरमती रिपोर्ट, विक्रांत मैसी ने बताई फिल्म में देरी की वजह

द साबरमती रिपोर्ट इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। विक्रांत मैसी एक बार फिर धीरज सरना की द साबरमती रिपोर्ट के साथ बड़े पर्दे पर लौट रहे हैं। फिल्म का दर्शकों को भी बेसब्री से इंतजार है। फिल्म का ट्रेलर और इसके नए गाने जारी हो चुके हैं। ऐसे में अब फिल्म के बारे में नई जानकारी सामने आई है। द साबरमती रिपोर्ट ने अपनी सेंसर औपचारिकताएं भी पूरी कर ली हैं। अभिनेता विक्रांत मैसी ने पुष्टि की है कि उनकी आगामी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट बिना किसी कट या संशोधन के केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) की जांच से गुजर गई है। अभिनेता ने बताया कि फिल्म बिना किसी कट के पास हो गई है। फिल्म को यूए सर्टिफिकेट मिला है। इससे पहले, ऐसी खबरें आई थीं कि सीबीएफसी द्वारा सुझाए गए कट्स के कारण फिल्म में देरी हुई थी, और टीम को कुछ हिस्सों को फिर से शूट करना पड़ा था।

इस वजह से फिल्म में हुई देरी

हालांकि, विक्रांत ने स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा, यह गलत सूचना है। हमने सीन को फिर से शूट किया, क्योंकि फिल्म में देरी हुई। हमें एडिटिंग में बैठने और खुद को बेहतर बनाने का फायदा मिला, इसलिए दो दिन का रीशूट, सेंसर की वजह से नहीं था। उन्होंने आगे कहा, सेंसर की बात करें तो यह हर फिल्म के साथ एक बहुत ही सामान्य प्रक्रिया है। आप फिल्म सबमिट करते हैं, फिर आपको फीडबैक मिलता है और अगर यह एक गंभीर मुद्दा है, तो वे कट्स की सिफारिश करते हैं।

सीबीएफसी ने दिए सुझाव

अभिनेता ने आगे कहा, मुझे नहीं लगता कि हमारी फिल्म में कट्स की सिफारिश की गई है। बस यहां-वहां छोटे-छोटे संवाद बदल गए हैं, ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि आज के समय में लेखकों से ज्यादा, हमारे पास एक फिल्म से जुड़े वकील होते हैं। कुछ लोग आपके खिलाफ ही केस दर्ज कर देते हैं। उदाहरण के लिए सेक्टर 36 में हमारे पास 36 मुकदमे हैं, लेकिन यह काम की प्रकृति है, इसलिए आपको बहुत सावधान रहना होगा। सीबीएफसी ने किसी भी कट की सिफारिश नहीं की है, केवल सुझाव दिए गए हैं, जो एक

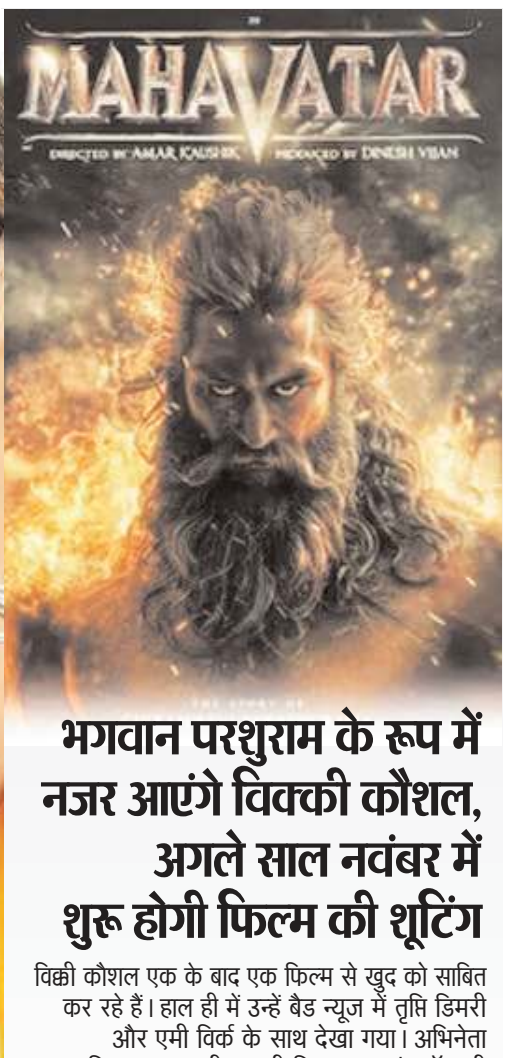

भगवान परशुराम के रूप में नजर आएंगे विक्की कौशल, अगले साल नवंबर में शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

विक्की कौशल एक के बाद एक फिल्म से खुद को साबित कर रहे हैं। हाल ही में उन्हें बैड न्यूज में तृप्ति डिमरी और एमी विर्क के साथ देखा गया। अभिनेता फिलहाल अपनी अगली फिल्म लव एंड वॉर की शूटिंग में व्यस्त हैं। संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में आलिया भट्ट और रणबीर कपूर भी हैं। अब, एक हालिया रिपोर्ट से पता चला है कि विक्की ने नई फिल्म के लिए दिनेश विजन के साथ हाथ मिलाया है। दिनेश विजन की इस फिल्म में विक्की कौशल भगवान परशुराम का किरदार निभाने वाले हैं। इस फिल्म की शूटिंग नवंबर 2025 में शुरू होगी।

दिनेश विजन की नई फिल्म का हिस्सा बने विक्की कौशल

मीडिया रिपोर्ट की मानें तो, विक्की कौशल भारतीय पौराणिक कथाओं की पृष्ठभूमि पर आधारित दिनेश विजन की फिल्म का हिस्सा बन गए हैं। जानकारी के अनुसार, लव एंड वॉर के बाद अभिनेता दिनेश विजान के साथ इस फिल्म पर काम शुरू करेंगे। खबरों की मानें तो विक्की कौशल एक मेगा बजट फीचर फिल्म करने की सोच रहे थे, इस दौरान दिनेश विजन ने अपनी स्क्रिप्ट को लेकर बात की। विक्की कौशल ऐसे में मना कैसे कर सकते थे। विक्की कौशल इससे पहले लव एंड वॉर के बाद इस फिल्म की तैयारी में लग जाएंगे, इस फिल्म को करने के लिए उन्होंने एक मिनट भी नहीं सोचा और हामी भर दी।

पौराणिक कथाओं पर आधारित होगी कहानी!

रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि यह भारतीय पौराणिक कथाओं की पृष्ठभूमि पर आधारित एक भव्य फीचर फिल्म होगी और विक्की इसमें एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। रिपोर्ट तो यह भी है कि फिल्म के लिए प्री-प्रोडक्शन का काम अगले साल नवंबर में शुरू होगा क्योंकि इस जॉनर की फिल्म के लिए एक निश्चित पैमाने की आवश्यकता होती है। हालांकि, इस फिल्म को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

अगले साल शुरू होगी शूटिंग!

रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से कहा गया है, यह निस्संदेह मैडॉक और विक्की कौशल दोनों के लिए सबसे महत्वाकांक्षी फिल्म है। फिल्म को फ्लोर पर जाने से पहले 6 से 8 महीने से अधिक की तैयारी की आवश्यकता होती है इसलिए यह 2025 में शुरू होगी। दिनेश विजन छावा पर अत्यधिक आश्वस्त हैं, और फिल्म में विक्की के प्रदर्शन से प्रभावित हैं। अगली फिल्म छावा पर उनके विश्वास को दर्शाता है। हालांकि, रिपोर्ट पर अभी आधिकारिक मुहर लगना बाकी है।

विक्की कौशल-दिनेश विजन की तीसरी साझेदारी

अगर रिपोर्ट सच निकली तो यह विक्की कौशल और फिल्म निर्माता के बीच तीसरा सहयोग होगा। इससे पहले दोनों ने जरा हटके जरा बचके में काम किया और दोनों की दूसरी फिल्म छावा जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

विक्की कौशल को सैन्य अधिकारियों के रूप में देखा जाएगा, और निर्देशक संजय लीला भंसाली ने व्यक्तिगत रूप से अभिनेताओं से वास्तविक सैनिकों की तरह दिखने के लिए अपने शारीरिक परिवर्तनों पर काम करने का अनुरोध किया है।

गेरार्डो मार्टिनो ने इंटर मियामी के मुख्य कोच पद से दिया इस्तीफा

एजेंसी

नई दिल्ली, 23 नवंबर (हि.स.)। इंटर मियामी के मुख्य कोच गेरार्डो ₹टाटा₹ मार्टिनो ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए आधिकारिक तौर पर अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। 62 वर्षीय अर्जेंटीना के कोच ने अपने अनुबंध में एक साल शेष रहने के बावजूद अपने फैसले की घोषणा की, उन्होंने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) की टीम के साथ एक साल से भी कम समय में सफलता की विरासत छोड़ी है।

मार्टिनो ने एक भावपूर्ण बयान में कहा, ₹ऐसे खास क्लब में काम करना और ऐसी खास टीम का नेतृत्व करना सम्मान की बात है। मैंने इंटर मियामी में अपने प्रवास का आनंद लिया और यहाँ बनी यादों और बनाए गए रिश्तों को अपने जीवन के बाकी हिस्सों में संजो कर रखूँगा। मैं यहाँ बिताए अपने समय के लिए केवल आभार के साथ विदा लेता हूँ और इसे संभव बनाने वाले सभी लोगों को दिल से धन्यवाद देना चाहता हूँ। मार्टिनो जून 2023 में इंटर मियामी में शामिल हुए, उस समय जब क्लब एमएलएस स्टैंडिंग के निचले पायदान पर था। उनके मार्गदर्शन में, इंटर मियामी ने 2023 लीग कप और 2024 सपोर्टर्स शील्ड जीती। मार्टिनो की सफलता की कुंजी लियोनेल मेसी का आगमन था, जो अर्जेंटीना और बार्सिलोना के कोच के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान उनके हमवतन और पूर्व खिलाड़ी थे। साथ मिलकर, उन्होंने टीम के प्रदर्शन को बढ़ाया, रिकॉर्ड बनाए और इंटर मियामी को अगले साल के फीफा क्लब विश्व कप में जगह दिलाई। हालांकि, अपने नियमित-सीजन के प्रभुत्व के बावजूद, इंटर मियामी का 2024 का अभियान खराब नोट पर समाप्त हुआ, क्योंकि वे अटलांटा यूनाइटेड द्वारा पोस्ट-सीजन प्लेऑफ के पहले दौर में बाहर हो गए। इंटर मियामी के प्रबंध मालिक जॉर्ज मास ने पुष्टि की कि मार्टिनो के उत्तराधिकारी की तलाश अपने अंतिम चरण में है, जिसकी घोषणा ₹अगले कुछ दिनों में₹ होने की उम्मीद है। अफवाहों में बार्सिलोना और लिवरपूल के पूर्व मिडफील्डर जेवियर माशेरानो भी शामिल हैं, जिनका मेसी और साथी इंटर मियामी स्टार लुइस सुआरेज के साथ घनिष्ठ संबंध है। मास ने यह भी पुष्टि की कि मेसी, जो 2025 तक अनुबंध पर हैं, ने नए कोच की खोज के दौरान इनपुट प्रदान किए थे, लेकिन नई नियुक्ति पर

आईएसयू ग्रैंड प्रिक्स कप ऑफ चाइना के पहले दिन जापानी फिगर स्केटर्स ने बढ़त बनाई

चोंगकिंग : जापानी फिगर स्केटर्स ने आईएसयू ग्रैंड प्रिक्स कप ऑफ चाइना के पहले दिन शुक्रवार को अपना दबदबा कायम रखा, जिसमें शुन सातो ने पुरुषों के शॉर्ट प्रोग्राम में शीर्ष स्थान हासिल कर जीपी फाइनल में जगह बनाई, जबकि उनकी हमवतन मोने चिबा ने महिलाओं के वर्ग में मामूली बढ़त हासिल की। लेडीज इन लैवेंडर में अपने शानदार प्रदर्शन में, अच्छी फॉर्म में चल रहे सातो ने क्वाड लुट्ज, क्वाड टो-ट्रिपल टो, ट्रिपल एक्सल और लेवल-फोर स्पिन लगाकर सीजन का सर्वश्रेष्ठ 98.75 अंक हासिल किया और कजाकिस्तान के मिखाइल शैदोरोव और फ्रांस के एडम सियाओ हिम फा को पीछे छोड़ा, जो क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। सातो ने कहा, ₹मैं शॉर्ट प्रोग्राम में अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हूं। मैंने अंत तक सावधानी से स्केटिंग की और समस्याओं पर काबू पाया।

बुंडेसलीगा : हैरी केन की हैट्रिक की बदौलत बायर्न म्यूनिख ने स्टबोर्न ऑग्सबर्ग को 3-0 से हराया

एजेंसी

बर्लिन : हैरी केन की हैट्रिक की बदौलत बायर्न म्यूनिख ने शुक्रवार रात बुंडेसलीगा के 11वें दौर के पहले मैच में स्टबोर्न ऑग्सबर्ग पर 3-0 से जीत दर्ज की। बायर्न ने मैच में आक्रामकर शुरूआत की और 13वें मिनट में वह गोल के काफी करीब पहुंच गया था, लेकिन लियोन गोरेत्जका का एक बेहतरीन शॉट गोल पोस्ट के बगल से निकल गया, जबकि पांच मिनट बाद जोशुआ किमिच ने नजदीक से प्रयास किया, लेकिन उन्हें भी सफलता नहीं मिली। ऑग्सबर्ग का डिफेंस काफी अच्छा रहा और उन्होंने बायर्न के कई मौकों को असफल किया। गोलकीपर नेडिल्को लाब्रोविक ने 27वें मिनट में हैरी केन और जमाल मुसियाला के लगातार प्रयासों को विफल किया। मध्यांतर तक दोनों ही

टीमें गोल करने में असफल रहीं। मैच के 63वें मिनट में मैड्स पेडरसन को हैंडबॉल के लिए दंडित किया गया और केन ने पेनल्टी को गोल में बदलकर बायर्न को 1-0 से आगे कर दिया। मेहमान टीम ने एक बार फिर बायर्न को अपनी बढ़त बढ़ाने में मदद की, जब केवन क्षोटरबेक को खेल के अंतिम क्षणों में केन को क्षेत्र में गिराने के बाद लाल कार्ड दिखाकर मैदान के बाहर भेज दिया गया। केन ने फिर से अपना संयम बनाए रखा और बेहतरीन गोल कर अपनी टीम को 2-0 से आगे कर दिया। बायर्न ने इसके बाद अपने संख्यात्मक लाभ का पूरा फायदा उठाया और अपनी बढ़त को तीन गुना कर दिया, जब केन ने गोरेत्जका के सटीक क्रॉस को नियंत्रित किया और गोल कर मैच में अपनी हैट्रिक पूरी की।

इस परिणाम से बायर्न की बढ़त तालिका में शीर्ष पर आठ अंकों तक बढ़ गई, जबकि ऑग्सबर्ग 13वें स्थान पर बना हुआ है। मैच के बाद बायर्न के कोच विंसेंट कोम्पानी ने कहा, ₹मैं बहुत खुश हूं। हमारे पास बहुत सारे मौके थे। अंत में, यह हैरी केन की खासियत थी। वह पहले हाफ में कई बार गोल करने के करीब पहुंच गया था। 15 मिनट में तीन गोल निश्चित रूप से शानदार है।

हिमाचल में बदला मौसम, पहाड़ों पर छाए बादल और ठंडी हवाओं ने बढ़ाई सर्दी

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश में पिछले कई दिनों से बादलों के बरसने का इंतजार हो रहा है। राज्य के पहाड़ी इलाकों में आज मौसम में थोड़ा बदलाव देखा गया है। शिमला, चम्बा, कुल्लू, लाहौल-स्पीति और किन्नौर में सुबह से आसमान में बादल छाए हैं। कुछ स्थानों पर बादलों के जमघट और तेज हवाओं ने मौसम का मिजाज बदल कर रख दिया है। इससे दिन का तापमान गिरने से ठंड बढ़ गई है। बीती रात लाहौल-स्पीति के ताबो और किन्नौर के रिकांगपिओ में क्रमशः 55 व 53 किलोमीटर प्रति घण्टे की रफ्तार से हवाएं चलीं। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के कारण राज्य के अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में आज बारिश व बर्फबारी की संभावना है। विभाग ने लाहौल-स्पीति, किन्नौर, कुल्लू, चम्बा और कांगड़ा जिलों के ऊपरी भागों में बर्फबारी का अनुमान

लगाया है। अन्य क्षेत्रों में मौसम पहले की तरफ साफ बना रहेगा। इसके अलावा 24 से 29 नवम्बर तक पूरे प्रदेश में मौसम के शुष्क रहने के आसार हैं। विभाग ने अगले तीन दिन यानी 24, 25 व 26 नवम्बर को मैदानी जिलों ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर और मंडी के सुंदरनगर में सुबह-शाम घने कोहरे की चेतावनी देते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। राज्य में पिछले करीब 54 दिनों से ड्राई स्पेल चल रहा है। 29 सितंबर के बाद राज्य में बहुत कम वर्षा हुई है। अक्टूबर में सामान्य से 98 फीसदी कम वर्षा दर्ज की गई। वहीं नवम्बर महीना भी सूखा चला हुआ है। वर्षा न होने से कृषि व बागवानी पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। वर्षा पर निर्भर रहने वाले इलाकों में किसान गेहूं की बिजाई नहीं कर पाए हैं। सूखे से पेयजल परियोजनाओं में जलस्तर गिर रहा है। अधिकांश हाइड्रो प्रोजेक्टों में बिजली उत्पादन भी प्रभावित हुआ है।राज्य में सुखी ठंड का प्रकोप, कई जगह माइनस में पारा राज्य में बादलों के न बरसने से सूखी ठंड पड़ रही है, जिससे लोग बीमार हो रहे हैं। राज्य के न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। पिछले तीन दिनों से न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे रिकार्ड किया जा रहा है। जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति में कई स्थानों पर रात का पारा माइनस में बना हुआ है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार को लाहौल-स्पीति के ताबो में न्यूनतम तापमान -8.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और यह राज्य में सबसे ठंडा स्थल रहा। इसके अलावा कुकुमसेरी में -4.8 डिग्री, समधो में -1.3 डिग्री, किन्नौर के कल्पा में शून्य डिग्री, पर्यटन नगरी मनाली में 3.1 डिग्री, शिमला में 9.2 डिग्री, कुफरी में 6.2 डिग्री, डल्हौजी में 8.5 डिग्री, सुंदरनगर में 5.2 डिग्री, भुंतर में 3.1 डिग्री धर्मशाला में 9.5 डिग्री, ऊना में 6.6 डिग्री, पालमपुर में 6 डिग्री, सोलन में 4.3 डिग्री, कांगड़ा में 7.5 डिग्री, मंडी में 6.2 डिग्री, बिलासपुर में 7.7 डिग्री, हमीरपुर में 6.9 डिग्री, चम्बा में 7.3 डिग्री, नारकंडा में 3.6 डिग्री, भरमौर में 6.2 डिग्री, रिकांगपिओ में 3 डिग्री और सियोबाग में 3.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

छोटे से गांव से सफलता की बड़ी उड़ान, छड़ोल के साहिल ने स्वरोजगार से रचा इतिहास

बिलासपुर : बिलासपुर जिले के छोटे से गांव छड़ोल के रहने वाले साहिल ने यह साबित कर दिया है कि बड़े सपने देखने के लिए शहरों में रहना जरूरी नहीं। चंडीगढ़ की एक निजी कंपनी में काम करने के बाद साहिल ने स्वरोजगार की राह चुनी और मत्स्य पालन के क्षेत्र में अपने गांव को विकास और प्रेरणा का केंद्र बना दिया। साहिल की सफलता में हिमाचल प्रदेश मत्स्य विभाग और प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का अहम योगदान रहा। साहिल ने 30 नवंबर 2023 को प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत छोटे टेंक के निर्माण के लिए अनुदान का आवेदन किया। योजना के तहत 7 टैंकों की स्थापना का प्रस्ताव रखा गया, जिनका व्यास 4 मीटर और ऊंचाई 1.5 मीटर थी। इस आवेदन को मात्र 12 दिनों में स्वीकृति मिली, जो सरकार की योजनाओं की

कार्यक्षमता और साहिल के प्रयासों को दशार्ता है। करीब 7.50 लाख रुपये लागत की इस परियोजना में सरकार ने 40% (3 लाख रुपये) का अनुदान प्रदान किया। हिमाचल प्रदेश मत्स्य विभाग ने साहिल को तकनीकी सहायता के साथ-साथ इड्ढा'ड्ढ तकनीक की बारीकियां सिखाने में भी मदद की। निर्माण से लेकर संचालन तक विभाग ने उनके साथ हर कदम पर सहयोग किया।

मार्च 2024 में साहिल ने टैंकों का निर्माण शुरू किया और मई 2024 तक यह कार्य पूरा कर लिया। उसी दौरान उन्होंने 7,000 पंगेसियस मछलियों का बीज संग्रहित किया। परियोजना के तहत उन्हें दो किश्तों में अनुदान की राशि मिली, जिससे उनका व्यवसाय सुचारु रूप से स्थापित हुआ। अक्टूबर 2024 में साहिल ने अपनी पहली मछलियों की बिक्री की। 500 किलोग्राम मछलियां 125 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से बेचकर उन्होंने 62,500 रुपये की कमाई की। वर्तमान में उनके टैंकों में 1.5 मीट्रिक टन मछलियां तैयार हैं, जिनकी बिक्री से लाखों रुपये की आय होने की संभावना है। साहिल की कहानी उन युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भरता का सपना देखते हैं। उनकी मेहनत, सही योजना और सरकारी सहयोग के माध्यम से गांव में ही रोजगार के नए अवसर पैदा किए जा सकते हैं।

आगमनी के गरेरहाट में भीषण सड़क हादसा, तीन की मौत

एजेंसी

धुबड़ी : आगमनी के गरेरहाट में भयावह सड़क हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। भीषण सड़क हादसा बीती रात करीब साढ़े 11 बजे आगमनी के गरेरहाट में हुआ। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल व्यक्ति की हालत गंभीर होती देख उसे धुबड़ी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया और बाकी तीन व्यक्तियों के शव को पोस्टमार्टम के लिए धुबड़ी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल ले जाया गया। पता चला है कि राष्ट्रीय राजमार्ग के पास एक ट्रक (एएस-01ओसी-0519) खड़ा था और खराबी के कारण आगामनी के अंतर्गत गरेरहाट बाजार में वाहन की मरम्मत की जा रही थी। इसी बीच गौरीपुर से पश्चिम बंगाल की ओर जा रहा

चार पहिया वाहन (एएस-01एई-8360) तेज गति से आया और ट्रक को टक्कर मार दी। पता चला है कि चारों लड़के पश्चिम बंगाल में रास मेला देखने जा रहे थे। लड़कों का घर गोलकगंज, पुल के किनारे बताया जा रहा है। मृतकों की पहचान धनंजय रॉय, विकास कलिता, राम राय के रूप में हुई है और घायल व्यक्ति की पहचान खणींद्र प्रधानी के रूप में हुई है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

ई -रिक्शा की दुकान में लगी आग

मोरीगांव : मोरीगांव जिले के दन्दूवा इलाके में लगी आग के दौरान एक ई-रिक्शा की दुकान पूरी तरह जलकर राख हो गयी। पुलिस ने शनिवार को बताया कि बीती रात दन्दूवा हाफिजिया व कोरानिया मदरसा के बाजार में लगी आग के दौरान देखते ही देखते ई-रिक्शा की एक दुकान पूरी तरह जलकर राख हो गयी।

आग की चपेट में आने से एक किराने की दुकान और एक स्टेशनरी की दुकान को भी काफी नुकसान हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने अग्निशमन और स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया। आग की वजह से लाखों रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है।

हालांकि, आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं लग पाई है। पुलिस ने आशंका व्यक्त किया है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कोलकाता मेट्रो में तकनीकी खराबी, दमदम से कवि सुभाष लाइन पर सेवा बाधित

एजेंसी

कोलकाता : कोलकाता मेट्रो सेवा में शनिवार सुबह एक बार फिर तकनीकी खराबी आ गई, जिससे दमदम से कवि ने सुभाष लाइन पर सेवा पूरी तरह ठप हो गई। सुबह के व्यस्त समय में शोभाबाजार स्टेशन पर यात्रियों को ट्रेन से उतार दिया गया और स्टेशन खाली करने का निर्देश दिया गया। स्टेशन के सूचना बोर्ड पर ₹सेवा बंद₹ लिख दिया गया। सुबह के समय मेट्रो में स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं और दफ्तर जाने वाले यात्रियों की भारी भीड़ थी। अचानक आई इस खराबी से यात्री भारी असुविधा में पड़ गए। फिलहाल इस समस्या के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। दमदम से सुबह 7:05 बजे छूटने वाली मेट्रो ट्रेन शोभाबाजार तक पहुंचने के बाद रुक गई। स्टेशन और ट्रेन के अंदर घोषणा कर यात्रियों को सूचित किया गया कि सेवा अस्थायी रूप से बंद की जा रही है। यात्रियों को न केवल ट्रेन छोड़ने बल्कि स्टेशन से भी बाहर जाने के लिए कहा गया। मेट्रो सेवा बाधित होने के कारण बेलगछिया, श्यामबाजार और चांदनी चौक जैसे अन्य स्टेशनों पर भी ट्रेनें नहीं पहुंच पाईं। इन स्टेशनों पर यात्रियों ने शिकायत की कि सुबह तय समय पर ट्रेनें नहीं आईं। इसके चलते कई यात्रियों को बस, टैक्सी या अन्य परिवहन साधनों का

सहारा लेना पड़ा। शुक्रवार को भी मेट्रो सेवा में देरी की शिकायतें सामने आई थीं। यात्रियों ने बताया कि दोपहर के समय ट्रेनों के हर स्टेशन पर देर से पहुंचने की समस्या देखी गई। हालांकि, मेट्रो प्रशासन की ओर से इस खराबी के संबंध में अभी तक कोई जानकारी नहीं दी गई है। शनिवार सुबह, जब लोग ऑफिस और स्कूल-कॉलेज के लिए मेट्रो पर निर्भर रहते हैं, तब इस तरह की समस्या ने यात्रियों की परेशानी बढ़ा दी है। नियमित यात्रियों ने इस घटना पर नाराजगी जताई है और जल्द से जल्द सेवा बहाल करने की मांग की है।

बारामुला में एक कुख्यात नशा तस्कर की 1.72 करोड़ की संपत्ति

एजेंसी

बारामुला : पुलिस ने शनिवार को बताया कि उसने उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले में एक नशा तस्कर की 1.72 करोड़ की संपत्ति जब्त की है। पुलिस ने एक विज्ञप्ति में बताया कि नशा तस्करों के खिलाफ अपनी कार्रवाई जारी रखते हुए बारामुला पुलिस ने 1.72 करोड़ की कीमत की कई संपत्तियां (चौआधी जम्मू और त्रिकंजन बोनियार में दो मंजिला आवासीय मकान, टिपर, ट्रेलर और स्कॉर्पियो) जब्त की हैं। ये संपत्तियां कुख्यात नशा तस्कर रफीक अहमद खान उर्फ रफी राफा पुत्र गुलाम हसन निवासी त्रिकंजन बोनियार बारामुल्ला की हैं। पुलिस प्रवक्ता ने आगे बताया

कि यह कार्रवाई एनडीपीएस अधिनियम 1985 की धारा 68-ई के साथ 68-एफ (1) के तहत की गई और यह पुलिस थाना बोनियार के एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले से जुड़ी है। पुलिस द्वारा की गई जांच व पूछताछ के दौरान संपत्तियों की पहचान अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों के रूप में की गई। उन्होंने कहा कि ये संपत्तियां नशा तस्कर द्वारा नशीले पदार्थों और मनोदैहिक पदार्थों की अवैध तस्करी से अर्जित की गई थीं।

आपकी पसंद से निखरेगा देश का पर्यटन

एजेंसी

मीरजापुर, 23 नवंबर (हि.स.)। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे ह्लदेखो अपना देश-पीपल्स चॉइस-2024ह्व अभियान को उत्तर प्रदेश का पर्यटन विभाग एक भव्य आयोजन में बदल रहा है। इस अभियान के तहत 25 नवंबर तक राज्य के नागरिक अपने पसंदीदा पर्यटन स्थलों को वोट कर सकते हैं। पर्यटन विभाग के निदेर्शों के अनुसार, हर जिले में अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी और आम नागरिक भाग ले सकते हैं। नागरिक क्यूआर कोड स्कैन कर या विभागीय पोर्टल पर जाकर अपने पसंदीदा स्थलों की जानकारी साझा कर सकते हैं। इसके साथ ही, वे सेल्फी प्वाइंट पर ली गई तस्वीरें पोर्टल पर

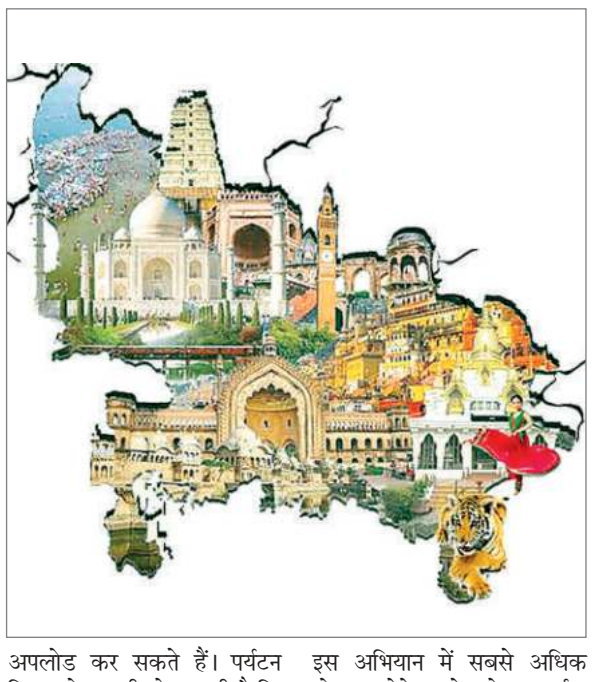

अपलोड कर सकते हैं। पर्यटन विभाग ने यह भी घोषणा की है कि इस अभियान में सबसे अधिक योगदान देने वाले को आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रमुख सचिव पर्यटन के अनुसार, इसका उद्देश्य प्रदेश के धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों के बारे में लोगों की राय जानना है। इससे इन स्थलों को विश्व स्तरीय पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करने की योजना बनाई जा सकेगी।

प्रभारी पर्यटन अधिकारी शक्ति प्रताप सिंह ने कहा कि हम मीरजापुर में इस अभियान को सफल बनाने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं। लोगों की सक्रिय भागीदारी से न केवल पर्यटन स्थलों की पहचान को मजबूती मिलेगी, बल्कि स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्तर प्रदेश का नाम भी रोशन होगा। यह अभियान न केवल प्रदेश के पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देगा बल्कि राज्य की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों को नई पहचान भी दिलाएगा।

शर्त सर्किट से लगी आग सिलेंडर फटने से छह पुलिस कर्मी झुलसे

एजेंसी

सिद्धार्थनगर : जनपद के बांसी कस्बे में तहसील के पास एक व्यवसायिक भवन में स्थित कैफे में आग लग गई।आग बुझाते समय सिलेंडर फटने से बांसी कोतवाल सहित छह पुलिस कर्मी झुलस गये हैं।कठिन परिश्रम के बाद आग बुझाने में सफलता मिल सकी है। घायलों को इलाज के लिए सिद्धार्थनगर मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है।पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने मेडिकल कालेज पहुंचकर घायलों की जानकारी ली। जनपद के बांसी कस्बे में तहसील के पास नंदलाल ज्वेलर्स का भवन है।इसी में कैफे तथा एचडीएफसी बैंक एवं ज्वैलरी सहित कई अन्य दुकाने हैं।जिसमे से कैफे में अचानक आग लग गई।सूचना मिलने पर अग्निशमन तथा पुलिस कर्मी आग

बुझाने पहुंचे।आग बुझाते समय सिलेंडर फटने से बांसी कोतवाली प्रभारी राम कृपाल शुक्ल, उपनिरीक्षक विजय प्रकाश दीक्षित,अग्निशमन विभाग के हेड कांस्टेबल सत्यबीर यादव, तेज बहादुर यादव, संतोष चौरसिया, रबीन्द्र यादव, मोहन शर्मा झुलस गये। इलाज के लिए सभी घायलों को मेडिकल कालेज सिद्धार्थनगर में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने बताया कि सभी की हालत ठीक है।

न्यूज IN ब्रीफ

दिल्ली में फिर बढ़ा प्रदूषण, एक्यूआई 420 के पार

नई दिल्ली : दिल्ली की वायु गुणवत्ता फिर खतरनाक श्रेणी में पहुंच गया। शनिवार सुबह राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक 420 दर्ज किया गया जो कि 'गंभीर' श्रेणी में आता है। दिल्ली के 38 निगरानी स्टेशनों में से 9 स्टेशनों पर एक्यूआई 450 से अधिक रिकॉर्ड किया गया। शनिवार को शादीपुर में एक्यूआई 436, आर के पूरम में 422, नॉर्थ कैंपस 416, मंदिर मार्ग में 414,आया नगर में 390, पूसा में 396, मुंडका में 453, द्वारका में 440, वजीरपुर में 465, अशोक विहार में 452, चांदनी चौक में428 एक्यूआई दर्ज किया गया। वायु गुणवत्ता में गुरुवार को अनुकूल हवा की स्थिति के कारण थोड़े समय के लिए सुधार हुआ लेकिन शुक्रवार शाम वायु गुणवत्ता में गिरावट शुरू हो गई, जो 'गंभीर' श्रेणी के करीब पहुंच गई। शनिवार सुबह न्यूनतम तापमान 11.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में पिछले 22 दिनों से खतरनाक वायु प्रदूषण की स्थिति है। दिल्ली का एक्यूआई 30 अक्टूबर को 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंचा और 15 दिनों स्थितियों में सुधार नहीं हुआ। जबकि दिल्ली में ग्रेप चार की पाबंदियां लागू हैं।

विक्रमगढ़ में बंद घर में चोरी

मुंबई : पालघर जिले के विक्रमगढ़ इलाके में एक बंद घर को निशाना बनाते हुए सोने-चांदी के आभूषणों सहित हजारों रुपये की नकदी चोरी कर ली और चोर फरार हो गए। पुलिस को दी शिकायत में संगीता भोंबे निवासी आपटी गवलीपाड़ा ने बताया कि वह खेत पर गई थी। इसी बीच उसके घर में कोई अज्ञात चोर सेंधमारी कर अंदर घुसा और आलमारी में रखे सोने चांदी के आभूषण और 9500 की नगदी सहित 25500 का सामान सहित चोरी कर फरार हो गया है। विक्रमगढ़ पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

छत्तीसगढ़ में कड़ाके की ठंड से दो लोगों की मौत

रायपुर : छत्तीसगढ़ के सरगुजा समेत पांच जिलों में शीतलहर का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं ठंड के कारण दो लोगों की मौत हो गई है।पहली मौत शुक्रवार को अंबिकापुर में और दूसरी मौत बिलासपुर में हुई है। मौसम विभाग ने सोमवार से बस्तर और सरगुजा संभाग के कई जिलों में शीत लहर पड़ने की भी संभावनाएं जताई है। अंबिकापुर जिला प्रशासन के अनुसार शुक्रवार को एक व्यक्ति की ठंड से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार वह नशे की हालत में दुकान के सामने सो गया था। वह हाइपोथर्मिया का शिकार हो गया और उसकी जान चली गई। वहीं बिलासपुर में ठण्ड की वजह से एक अधेड़ की मौत हुई है। जिला प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार मृतक रेलवे स्टेशन के पास खुले आसमान के नीचे सो रहा था। वह भीख मांगकर अपना गुजारा करता था। शुक्रवार दोपहर में ठंड से अकड़ कर उसकी मौत की सम्भावना व्यक्त की गई है। छत्तीसगढ़ में मैनपाट 6 डिग्री के साथ सबसे ठंडा और दुर्ग 30.4 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा। मौसम वैज्ञानी ए एम भट्ट के अनुसार इस वर्ष कड़ाके की ठंड पड? की उम्मीद है। वर्ष 2014 में 17 नवम्बर को 9.9 और 18 नवम्बर को न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री दर्ज हुआ था। इसके बाद से नवंबर इस अवधि तक न्यूतनम तापमान 10 डिग्री से नीचे नहीं गिरा था।मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर से आने वाली ठंडी हवाओं के चलते अगले 24 घंटों में बलरामपुर, कोरिया, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, सूरजपुर, सरगुजा समेत 5 जिलों में शीतलहर का अलर्ट जारी किया है।वहीं इस महीने के अंत तक रायपुर का तापमान 14 डिग्री तक पहुंचने के आसार हैं। सरगुजा संभाग के जिलों में पिछले दो-तीन दिन से लगातार कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मौसम विभाग ने सोमवार से बस्तर और सरगुजा संभाग के कई जिलों में शीत लहर पड़ने की भी संभावनाएं जताई है।

सारनाथ में तेज रफ्तार ऑटो बिजली के पोल से टकराई,पिता-पुत्र की मौत

वाराणसी : सारनाथ थाना क्षेत्र के तिलमापुर रंगीलादास पोखरा के समीप तेज रफ्तार एक अनियंत्रित ऑटो बिजली के पोल से टकरा कर पलट गई। हादसे में ऑटो में सवार पिता–पुत्र की मौत हो गई। शुक्रवार देर रात हुई हादसे की जानकारी पाते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। दीनापुर गांव निवासी सीताराम (60) अपने पुत्र सुनील कुमार (30) गोली और बाबी के साथ रिश्तेदारी के मांगलिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए राजातालाब गए थे। देर रात सभी ऑटो से वापस घर लौट रहे थे। ऑटो जैसे ही तिलमापुर स्थित रंगीलदास पोखरा के समीप पहुंची चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा। तेज रफ्तार ऑटो सामने स्थित बिजली के पोल से टकरा गई। हादसे में आगे बैठे सीताराम, सुनील कुमार की सिर में गंभीर चोट लगने से मौत हो गई। दुर्घटना की सूचना पाकर पुलिस के साथ परिजन भी पहुंच गए। शनिवार को पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

धान बेंचकर लौट रहे किसान का पलटा ट्रैक्टर, एक की मौत

जालौन : जालौन कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार की रात एक दर्दनाक हादसा हुआ। जालौन की मंडी में धान बेचकर वापस अपने गांव जा रहे किसान का ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में किसान की मौत हो गई, जबकि चालक की हालत नाजुक है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जालौन में देर रात एक दर्दनाक हादसा देखने को मिला। ट्रैक्टर पर सवार होकर किसान अपने गांव जा रहे थे। इस दौरान नई सड़क बनने के बीच में एक ब्रेकर टाइप का मिला और तेज रफ्तार होने की वजह से ट्रैक्टर ट्राली अनियंत्रित हो गया। जिस पर बैठे चालक सहित युवक ट्रैक्टर से गिरकर बुरी तरह घायल हो गया। जानकारी के अनुसार जालौन कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार की रात को एक दर्दनाक हादसा देखने को मिला। जहां जालौन की मंडी में धान बेचकर वापस अपने गांव जा रहे थे। इस दौरान रास्ते में ब्रेकर बना हुआ था। तेज रफ्तार होने की वजह से ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और ट्रैक्टर ट्रॉली सहित खंती में जाकर पलट गया, जिस पर बैठे चालक एवं किसान गिरकर बुरी तरह घायल हो गए। हादसे के बाद वहां पर दहशत फैल गई। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया। जहां पर किसान की मौत हो गई। वहीं चालक का इलाज किया जा रहा है। चालक कल्याण ने बताया कि वह रात को जालौन से गांव जा रहा था। रास्ते में पाइप डालकर उस पर मिट्टी डालकर ब्रेकर बना दिया गया था, जिसकी वजह से ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और उसे पर बैठे किसान अपना नियंत्रण खो बैठा और वह गिर पड़ा । वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। हादसे की जानकारी लगते ही परिजन भी अस्पताल पहुंचे।

नेताजी सुभाष मेडिकल अस्पताल में एक माह में 70 गंभीर मरीजों का सफल ऑपेरशन संपन्न

सरायकेला : नेताजी सुभाष अस्पताल में एक माह पूर्व ऑपेरशन थियेटर की शुरूआत हुई थी. इस एक माह में 70 गंभीर मरीजों का सफल ऑपेरशन हुआ है. यह जानकारी नेताजी सुभाष मेडिकल अस्पताल की एमडी विभा सिंह और चेयरमैन मदन मोहन सिंह ने शुक्रवार को दी.

उन्होंने बताया कि नेताजी सुभाष ग्रुप के मेडिकल कॉलेज अस्पताल आदित्यपुर का शुभारंभ होने से गरीब तबके के मरीजों को सुपर हॉस्पिटेलिटी का लाभ मिल रहा है. यहां प्रबंधन ने ओपीडी फ्री कर रखा है जिसके वजह से यहां प्रतिदिन 1100 के करीब मरीज ओपीडी में पहुंच रहे हैं.

पटना के बिहटा में 650 बेड का नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज अस्पताल पूर्व से ही संचालित हो रहा है. वहां पांच सौ छात्र एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर चुके हैं. वहां अब पीजी की पढ़ाई शुरू हो चुकी है. चेयरमैन एमएम सिंह का कहना है कि यह अस्पताल गरीबों के लिए खुला है. यहां कम खर्चे में बेहतर सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है. इसी कड़ी में नेताजी सुभाष ग्रुप आदित्यपुर में 650 बेड के नए मेडिकल कॉलेज अस्पताल की शुरूआत की है. पर्याप्त संख्या में डाक्टरों के अलावा प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ भी अपनी सेवाएं दे रही हैं.

70 हजार की आबादी का इलाज एक फॉर्मासिस्ट के भरोसे

मुसाबनी : मुसाबनी प्रखंड कार्यालय परिसर में संचालित पुराने सीएचसी का डिस्पेंसरी भवन जर्जर है. छत का प्लास्टर गिर रहा है. लंबे समय से भवन की मरम्मत नहीं हुई है. भवन जर्जर हो गया है. स्वास्थ्य विभाग की ओर से पुराने सीएचसी भवन में एक फार्मासिस्ट के सहारे डिस्पेंसरी का संचालन होता है. एक फार्मासिस्ट के कंधे पर प्रखंड की लगभग एक दर्जन पंचायतों की 70 हजार की आबादी को सरकारी स्वास्थ्य सेवा देने की जिम्मेवारी है. डिस्पेंसरी सुबह 10 बजे से दोपहर तीन तक संचालित होती है. इसके बाद डिस्पेंसरी बंद रहता है.

प्रखंड की फॉरेस्ट ब्लॉक ,पारुलिया ,कुईलीसूता, गोहला, उत्तरी बदिया, दक्षिणी बदिया, पूर्वी बदिया ,पश्चिमी बदिया ,पूर्वी मुसाबनी, पश्चिमी मुसाबनी ,धोबनी और मेढ़िया पंचायत की दूरी केंदाडीह में संचालित सीएचसी से अधिक है. इसके कारण इन पंचायतों के निवासी समय पर इलाज के लिए केंदाडीह में संचालित सीएचसी नहीं जा पाते हैं. जनप्रतिनिधि और स्थानीय ग्रामीणों की मांग पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से पुराने सीएचसी में डिस्पेंसरी का संचालन किया जा रहा है.

लंबे समय से चिकित्सक की मांग कर रहे ग्रामीण

ग्रामीणों ने पुराने सीएचसी में संचालित डिस्पेंसरी में एक चिकित्सक की नियुक्ति के साथ अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को नियुक्त करने की मांग की थी. स्वास्थ्य विभाग अब तक पुराने सीएचसी भवन में चिकित्सक की नियुक्ति करने में विफल है. केवल एक फार्मासिस्ट की नियुक्ति विभाग ने की है. पुराने सीएचसी भवन में संचालित डिस्पेंसरी में आसपास के ग्रामीण इलाज के लिए पहुंचते हैं.

14 वर्षों में जलापूर्ति योजना पूरी नहीं, रेल लाइन पार नहीं पहुंचा पाइप

घाटशिला : घाटशिला प्रखंड के गोपालपुर में बनी जलापूर्ति योजना 14 साल में भी सफल नहीं हो सकी है. दरअसल, 2 अगस्त, 2009 को तत्कालीन सांसद अर्जुन मुंडा और विधायक प्रदीप कुमार बलमुचु की पहल पर दाहीगोड़ा में डेढ़ लाख गैलन क्षमता की जलमीनार बनी थी. इसका उद्घाटन झारखंड के तत्कालीन राज्यपाल सैयद सिब्ते रजी ने किया था. प्रखंड की घाटशिला ,पावड़ा, गोपालपुर व धर्मबहाल पंचायत के लोगों को जलापूर्ति के लिए योजना बनी थी. 14 साल बाद भी योजना सफल नहीं है. धर्मबहाल और पावड़ा पंचायत कुछ क्षेत्रों में पाइपलाइन बिछायी गयी थी. रेलवे लाइन पार करने की अनुमति मिलने में समय लगने के कारण दोनों पंचायतों में योजना अधर में लटक गयी. चालकडीह क्षेत्र में पाइपलाइन बिछायी गयी, लेकिन जलापूर्ति नहीं हो पायी. पहले मुस्लिम बस्ती में पूरी तरह से जलापूर्ति होती थी. कुछ दिनों के बाद कुछ घरों में जलापूर्ति होने लगी. अभी बस्ती के अधिकतर घरों में जलापूर्ति नहीं होती है.

पहले की तरह नहीं होती है जलापूर्ति : जल सहिया

घाटशिला प्रखंड की तीन पंचायतों के 1820 घरों में फिलहाल जलापूर्ति होती है. गोपालपुर में 1140, पावड़ा में 280, घाटशिला पंचायत के 420 घरों में कनेक्शन है. गोपालपुर की जल सहिया सोमा आदित्य ने बताया कि पहले की तरह घरों में जलापूर्ति नहीं होती है. अनीता सीट व मीता मिश्रा ने बताया कि पंचायत प्रतिनिधि बार-बार जलापूर्ति विभाग से कई बार शिकायत कर चुके हैं.

रेल लाइन पार पाइप पहुंचाने के लिए कई बार आवाज उठी

धर्मबहाल और पावड़ा पंचायत के ग्रामीणों ने पाइपलाइन को रेलवे लाइन पार करने के लिए आवाज उठायी, लेकिन सार्थक पहल नहीं हुई. वर्ष 2016 में तीन पंचायतों के मुखियों की सक्रियता से दाहीगोड़ा और पांच पांडव सुवर्णरेखा नदी के पास 35 एचपी मोटर की जगह 75 एचपी का मोटर लगाया गया.

विभाग की निष्क्रियता से पुरानी योजना बंद

यह योजना 40 हजार की आबादी के लिए बनी थी. ग्रामीणों ने पुरानी जलापूर्ति और पानी टंकी सुचारू रूप से चलाने की मांग की. विभाग की निष्क्रियता से पुरानी जलापूर्ति योजना बंद हो गयी. इसके बाद से किसी ने ध्यान नहीं दिया. संजय नमाता, नारायण नमाता व उत्तम ने कहा कि सुवर्णरेखा नदी के किनारे वाले क्षेत्र में भी घर-घर नल जल योजना विफल साबित हो रही है. राजस्टेट के आसपास के कई क्षेत्रों में आज भी जलापूर्ति नहीं होती है.

केवल आश्वासन देते रहे हैं जनप्रतिनिधि

15 साल से जनप्रतिनिधि केवल आश्वासन दे रहे हैं, लेकिन स्थिति जस की तस है. पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के पदाधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि तत्काल हम कुछ नहीं बोल सकते हैं. नयी सरकार बनने के बाद कुछ बोल पायेंगे. यह योजना सफल है. पंचायत प्रतिनिधि और जल सहिया ही दाहीगोड़ा की जलापूर्ति की

चैतन्य महाप्रभु की चरण पादुका संग निकली शोभायात्रा, दर्शन के उमड़े भक्त

मेट्रो रेज संवाददाता

बरसोल : बरसोल की पाथरा पंचायत अंतर्गत बेहड़ा गांव में आयोजित आविर्भाव जयंती महोत्सव में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी. इसके चौथे दिन शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के नवद्वीप धाम से चैतन्य महाप्रभु की चरण पादुका पहुंची. भक्त भावुक होकर गौर प्रभु के जयकारे लगाते हुए दर्शन करने पहुंचे. भक्तों ने चरण पादुका के साथ मानुषमुड़िया चौक से फूलों से सुसज्जित रथ के साथ शोभा यात्रा निकाली गयी. इस दौरान गोपीबल्लवपुर गद्दी के महंत केशवानंद देव गोस्वामी महाराज का स्वागत किया गया. श्री चैतन्य महाप्रभु की चरण पादुका का दर्शन के लिए कई मौजा के लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी.

आज भी दर्शन कर सकेंगे भक्त, कल महाआरती के बाद विदाई

भक्त नित्यानंद दास ने बताया चरण पादुका शनिवार को भी दिन भर भक्तों के दर्शन के लिए रहेगी. उसके बाद रविवार को मध्याह्न 12 बजे महाप्रभु की चरण पादुका की महाआरती की जायेगी. दोपहर में चरण पादुका को विदाई दी जायेगी. 25 नवंबर को श्री श्री परम पूजनीय सामानंद गादी के जगतगुरु महंत केशवानंद गोस्वामी प्रभु की आविर्भाव तिथि मनायी जायेगी. सुबह 7 बजे नगर कीर्तन, सुबह 9 बजे महा अभिषेक पूजा और महाआरती, 56 भोग व दोपहर 3 बजे भजन धर्म सभा, श्याम 6 बजे लीला कीर्तन, वस्त्रदान आयोजित होगा. 26 नवंबर को दधि महोत्सव के साथ समापन होगा.

प्रभापुंज पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सवः डॉ. परमेश्वर भगत मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल

मेट्रो रेज संवाददाता

चान्होः राजीव नगर स्थित प्रभापुंज पब्लिक स्कूल में वार्षिक उत्सव समारोह का आयोजन भव्य तरीके से किया गया, जिसमें पूर्व डीडीसी डॉ. परमेश्वर भगत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने छात्रों को शिक्षा के महत्व और उज्जवल भविष्य के लिए कठिन परिश्रम की आवश्यकता पर जोर दिया।

अपने संबोधन में डॉ. भगत ने कहा, ह्लशिक्षा समाज के विकास का मूल आधार है। छात्रों को अपने लक्ष्यों को पाने के लिए अनुशासन और समर्पण का पालन करना चाहिए।ह्व उन्होंने प्रेरक शब्दों से छात्रों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और उनकी उपलब्धियों की सराहना की।

कार्यक्रम की शुरूआत शिक्षकों द्वारा डॉ. भगत के स्वागत से हुई, जिसमें उनके प्रेरणादायक योगदानों की सराहना की गई। इसके बाद छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें नृत्य, गीत, और नाटक शामिल थे। दर्शकों ने इन प्रस्तुतियों की भरपूर सराहना की।

समारोह में डॉ. भगत ने मेधावी छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि डॉ. मंजू मिंज ने भी छात्रों को शिक्षा के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

विद्यालय के निर्देशक सह प्रधानाचार्य शालिक राम पाण्डे ने कार्यक्रम की सफलता पर सभी का आभार व्यक्त किया। शिक्षक अमित कुमार और अन्य गणमान्य व्यक्तियों, अभिभावकों, एवं स्थानीय निवासियों की उपस्थिति ने आयोजन को और खास बना दिया।यह आयोजन न केवल छात्रों की प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने का माध्यम बना, बल्कि विद्यालय की शैक्षिक उपलब्धियों और समाज के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया।

ग्रामीणों ने पकड़ा आठ फीट का अजगर, वन विभाग को सौंपा

सरायकेला : चांडिल प्रखंड के काशीडीह गांव में शुक्रवार को ग्रामीणों ने लगभग आठ फीट का अजगर को पकड़कर वन विभाग को सौंप दिया. अजगर सांप गांव में घुस गया था, जिसे ग्रामीणों ने स्कूल और डाक घर के सामने से पकड़ा.

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार की दोपहर को जंगल से निकलकर एक अजगर सांप चांडिल प्रखंड के काशीडीह गांव में घुस गया था. गांव के बंद स्कूल के सामने एक युवक ने सांप को देखा और अन्य ग्रामीणों को इसकी सूचना दी. सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग वहां एकत्रित हुए और सांप को पकड़ने का जुगाड़ लगाते रहे. देखते ही देखते सांप तेजी के साथ एक पेड़ पर चढ़ गया. ग्रामीणों ने काफी मेहनत के बाद सांप को पकड़कर एक बोरे में रख लिया. इसके बाद लोगों ने वन विभाग को इसकी सूचना दी.

अजगर के लौटने को लेकर आशंकित हैं ग्रामीण

अजगर सांप के गांव में घुसने और ग्रामीणों द्वारा सांप को सुरक्षित पकड़े जाने की सूचना मिलने के बाद वनकर्मी काशीडीह पहुंचे और अजगर को अपने कब्जे में लिया. वन विभाग ने ग्रामीणों के द्वारा पकड़े गए अजगर को वापस जंगल में छोड़ दिया. वहीं ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि अजगर कहीं वापस गांव पहुंचकर जान व माल को नुकसान ना पहुंचाए.

बरसोल के भादुआ में जलमीनार एक साल से खराब, जल संकट

बरसोलः बहरागोड़ा प्रखंड के भादुआ गांव के टोला में सोलर जलमीनार पिछले एक वर्ष से खराब है. ग्रामीण पेयजल संकट से जूझ रहे हैं. गांव में लगभग 70 परिवार हैं. इनमें करीब 400 लोग रहते हैं. टोला की जलमीनार खराब होने के कारण लोग पास टोला में दूसरों घरों से पानी लाकर प्यास बुझा रहे हैं. ग्रामीणों ने जल्द सोलर जलमीनार को दुरुस्त कराने की मांग की है. ग्रामीणों गुरु चरण सोरेन, छवि महतो आदि ने कहा कि पानी के लिए बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. सोलर जलमीनार की खराब होने की सूचना पेयजल विभाग को दी गयी है. विभाग ने तत्काल संबंधित पदाधिकारी से बातकर जलमीनार दुरुस्त करने की बात कही है. ग्रामीणों ने बताया कि कुआं का पानी पीने से बीमारियों का खतरा रहता है. इसके बावजूद विवशता में हमें दूसरों घर का पानी पीना पड़ रहा है. एक साल से जलमीनार खराब पड़ा हुआ है. इसकी मरम्मत की दिशा में सिर्फ आश्वासन मिलता रहा है. टोला के 70 परिवार परेशान हैं.

पावड़ा में 65 लाख की जलापूर्ति योजना बंद

घाटशिला. घाटशिला प्रखंड की पावड़ा पंचायत में सिंचाई विभाग के कार्यालय परिसर में वर्ष 2016-17 में 65 लाख रुपये की जलापूर्ति योजना की जलमीनार बंद है. इस जलमीनार से लगभग 700 घरों में जलापूर्ति की योजना बनी थी. फिलहाल योजना बंद है. पंचायत की मुखिया पार्वती मुर्मू ने बताया कि यह सोलर से संचालित जलापूर्ति योजना है, जो सफल नहीं हो पायी है. पेयजल एवं स्वच्छता विभाग से बातचीत हुई है. अगर विभाग स्वीकृति दे, तो विद्युत मोटर लगाने की दिशा में पहल होगी. विधानसभा चुनाव के बाद सरकार गठन के बाद ही कुछ हो सकता है.

यूनिवर्सिटी फुटबॉल टूर्नामेंट में खेलने से वंचित रहे केयू के खिलाड़ी

मेट्रो रेज संवाददाता

चाईबासा : चाईबासा में फंड के अभाव में खिलाड़ी यूनिवर्सिटी फुटबॉल टूनार्मेंट में नहीं जा सके. कोल्हान विश्वविद्यालय की फुटबॉल टीम पैसे के अभाव में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी फुटबॉल टूनार्मेंट में भाग नहीं ले सकी. विश्वविद्यालय प्रबंधन का कहना है कि विभाग से पैसे नहीं मिलने की वजह से टीम को भेजा नहीं जा सका. झारखंड के अन्य विश्वविद्यालयों की टीमें खेलने के लिए गईं है.

कोल्हान विश्वविद्यालय के खिलाड़ी निराश

ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी फुटबॉल टूनार्मेंट के लिए रांची यूनिवर्सिटी, श्यामा प्रसाद मुखर्जी यूनिवर्सिटी, सिदो-कान्हू यूनिवर्सिटी, बिनोवा भावे यूनिवर्सिटी और बिनोद बिहारी महतो यूनिवर्सिटी की टीम मैच खेलने गयी है. कोल्हान विश्वविद्यालय की टीम नहीं जा सकी. इससे विश्वविद्यालय के खिलाड़ी निराश और हताश हैं.

विश्वविद्यालय के पास फंड की कमी नहीं : स्पोर्ट्स इंचार्ज

कोल्हान विश्वविद्यालय की ओर से जारी स्पोर्ट्स कैलेंडर के अनुसार, खेल की सारी प्रक्रिया पूरी कर ली गई थी. ऐन मौके पर फंड जारी नहीं हुआ. केयू के स्पोर्ट्स इंचार्ज का कहना है कि राशि नहीं मिलने के कारण टीम को मैच खेलने नहीं भेजा जा सका. कहा जा रहा है कि विश्वविद्यालय के पास फंड की कमी नहीं है. कोल्हान विश्वविद्यालय के कॉलेजों में

दाखिले के समय ही विद्यार्थियों से 120 रुपये खेल मद में लिये जाते हैं. ऐसे में खेल गतिविधियों के संचालन में किसी तरह की आर्थिक समस्या नहीं होनी चाहिए.

14-14 खिलाड़ियों का हुआ था चयन

कोल्हान विश्वविद्यालय की महिला और पुरुषों की टीम में 14-14 खिलाड़ियों का चयन किया गया था. इनमें एलबीएसएम कॉलेज, टाटा कॉलेज, घाटशिला कॉलेज, को-ऑपरेटिव कॉलेज और जेएलएन कॉलेज के विद्यार्थी शामिल थे. इनके साथ 4 पदाधिकारी भी जाने वाले थे.

मणिपुर में हुआ महिला वर्ग का खेल

महिला वर्ग का मैच एक से लेकर 5 नवंबर तक मणिपुर की सेंट्रल यूनिवर्सिटी में हुआ. केयू की टीम को 28 अक्टूबर को निकलना था. कोलकाता से विमान का टिकट हो गया था, पर फाइनल नहीं हो पाया था. केयू की महिला टीम का मुकाबला रायपुर के पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय के साथ होना था.

कलकत्ता यूनिवर्सिटी में पुरुष वर्ग का मैच

पुरुष वर्ग का मैच 19 से 28 नवंबर तक यूनिवर्सिटी ऑफ कलकत्ता में होना है. पहले मैच में केयू का मुकाबला तिलका मांझी विश्वविद्यालय के साथ होना था. कई खिलाड़ी तैयार होकर आ गये थे. जब उन्हें सूचना मिली कि वे भाग लेने नहीं जा सकते हैं, तो मायूस होकर वापस लौट गये.

खिलाड़ियों की मेहनत बर्बाद, छलके आंसू

टाटा कॉलेज चाईबासा के खिलाड़ी करननाथ कारुवा को भी ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी फुटबॉल प्रतियोगिता में नहीं जा पाने का खासा दुख है. उन्होंने कहा कि स्कूल के दिनों से ही फुटबॉल खेलता रहा हूं. केयू की टीम में चयन हुआ, तो बहुत खुशी हुई. प्रदर्शन के पूर्व सूचना मिली कि नहीं जा सकते हैं.

टाटा कॉलेज चाईबासा के ही खिलाड़ी सचिन केराई ने कहा कि यह सुनकर बहुत खराब लगा कि हम खेलने नहीं जा सकते हैं. उन्होंने कहा कि बचपन से ही फुटबॉल खेलने का शौक है. अच्छा खेलेंगे, तो जॉब मिलेगा यही सोचकर तैयारी की थी. एक बड़ा अवसर हाथ से निकल गया.

टाटा कॉलेज चाईबासा की खिलाड़ी खुशबू हेस्सा ने दुख जाहिर करते हुए कहा कि टीम के नहीं जाने से बहुत बुरा लगा. इतने बड़े इवेंट में शामिल होने का अवसर हम चूक गये. पूरे साल की मेहनत बेकार हो गयी. खेल में भाग लेने के लिए बचपन से तैयारी की थी. एकेडमी में कोचिंग भी ली थी.

टाटा कॉलेज चाईबासा की खिलाड़ी कुन्ती हेस्सा ने कहा कि स्कूल के दिनों से फुटबॉल खेलती हूं. इसके लिए टाटा कॉलेज में यह सोचकर दाखिला लिया कि खेलने का अवसर मिलेगा. अवसर मिला, तो खुशी निराशा में बदल गई. दो-तीन दिनों तक बहुत बेचैन रही. बहुत दुख हुआ.

टाटा कॉलेज चाईबासा की खिलाड़ी मालती मुंडा ने कहा कि खेल में भाग नहीं ले पाने का दुख आज भी है और हमेशा रहेगा. स्कूल के समय से खेलती रही हूं. पूरी मेहनत बेकार हो गयी. यह सुना कि हमलोग खेलने नहीं जा रहे हैं, तो लगा कि सब कुछ अचानक से छूट गया.

कोल्हान विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स इंचार्ज डॉ मन्मथनाथ नारायण सिंह ने कहा कि हमने ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी फुटबॉल टूनार्मेंट के लिए 17 अक्टूबर को फाइल बढ़ा दी थी. इस मद में आवश्यक राशि पास नहीं होने के कारण खिलाड़ी खेलने नहीं जा सके.